बिहार-झारखंड
संस्करण
वर्ष: 5
अंक: 159
मूल्य ₹ 2.00
पृष्ठ 06
Reg: UDYAM-
BR-17-0007168

# दैनिक बिहार पत्रिका

सच के साथ

DAINIK BIHAR PATRIKA

पटना। बुधवार, 25 दिसंबर 2024 | सम्पादकः कृष्णा टेकड़ीवाल | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

## प्रधानमंत्री मोदी 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस कार्यक्रम में लेंगे भाग, सुपोषित पंचायत योजना का करेंगे शुभारंभ

दैनिक बिहार पत्रिका

देश का महिला एवं बाल मंत्रालय 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' मनाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। पीएम मोदी सुपोषित पंचायत योजना का शुभारंभ करेंगे और मार्च पास्ट को हरी झंडी दिखाएंगे। इस आयोजन में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं और गणमान्य व्यक्तियों सहित लगभग 3500 बच्चे भाग लेंगे, भारतीय विरासत को प्रदर्शित करते हुए बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बच्चों को पुरस्कार प्रदान करेंगी।

**3,500 बच्चे इस कार्यक्रम में भाग लेंगे**

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार वीर बालदिवस पर राष्ट्रीय कार्यक्रम 26 दिसंबर,2024

को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी उद्घाटन भाषण देंगी। आयोजन में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं और गणमान्य व्यक्तियों सहित लगभग 3,500 बच्चे इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस मौके पर वह सुपोषित पंचायत योजना का शुभारंभ करेंगे और मार्च पास्ट को हरी झंडी दिखाएंगे। भारत सरकार असाधारण उपलब्धियों के लिए सात श्रेणियों कला और संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण में बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) प्रदान करती है। इस बार 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। इनमें 7 लड़के और 10 लड़कियां शामिल हैं। राष्ट्रपति मुर्मु इन बच्चों को पुरस्कार प्रदान करेंगी। प्रत्येक विजेता को पदक, प्रमाण पत्र और प्रशस्ति पत्र पुस्तिका दिए जाएंगे।

**भारतीय विरासत को दर्शाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे**

कार्यक्रम में बच्चों द्वारा भारतीय विरासत को दर्शाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। बच्चे विविध संस्कृतियों के प्रतिनिधित्व वाले मार्च पास्ट में भी शामिल होंगे। इसके अलावा माई गॉव/माई भारत पोर्टल पर ऑनलाइन गतिविधियां सहित देश भर के स्कूलों, बाल देखभाल संस्थानों, आंगनवाड़ी केंद्रों में कहानी सुनाने, रचनात्मक लेखन, पोस्टर बनाने, निबंध लेखन, कविता और प्रश्नोत्तरी जैसी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।

## सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

दैनिक बिहार पत्रिका

घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,500 रुपये से लेकर 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,050 रुपये से लेकर 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,300 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक पर जेपीसी की बैठक आठ को

नई दिल्ली

मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी पहल एक देश एक चुनाव से संबंधित दो विधेयकों पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की पहली बैठक आठ जनवरी को होगी। संविधान (एक सौ उनतीस वां संशोधन) विधेयक, 2024, जिसे एक देश, एक चुनाव विधेयक के नाम से जाना जाता है के पारित होने के बाद लोकसभा के साथ-साथ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश विधानसभाओं के के चुनाव एक साथ कराये जा सकेंगे। यह विधेयक शीतकालीन सत्र के संपन्न होने से पहले लोकसभा में पेश किया गया था और सत्र के अंतिम दिन इसे संयुक्त संसदीय समिति में भेज दिया गया था। सूत्रों के अनुसार इस समिति की पहली बैठक आठ जनवरी को होगी। समिति के 39 सदस्यों में से 27 लोकसभा के तथा 12 राज्यसभा के हैं। समिति को अगले संसद सत्र के आखिरी सप्ताह के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट देनी है। समिति के अध्यक्ष भाजपा नेता पीपी चौधरी हैं। इसके अन्य सदस्यों में अनुराग सिंह ठाकुर और परषोत्तमभाई रूपाला, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और मनीष तिवारी, टीएमसी के कल्याण बनर्जी, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले और लोकसभा के अन्य सदस्य शामिल हैं। राज्यसभा से समिति में भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी, भुवनेश्वर कलिता और के. लक्ष्मण , कांग्रेस के रणदीप सिंह सुरजेवाला और मुकुल बालकृष्ण वासनिक , जदयू के संजय कुमार झा और वाईएसआर कांग्रेस के वी. विजयसाई रेड्डी सहित अन्य सदस्य शामिल हैं।

## अभिनेता अल्लू अर्जुन से पुलिस ने की तीन घंटे पूछताछ

**हैदराबाद।** संध्या थिएटर में भगदड़ में एक महिला की मौत के मामले में पुलिस ने अभिनेता अर्जुन अल्लू से तीन साढ़े घंटे तक पूछताछ की। उनके साथ अल्लू के पिता अल्लू अरविंद, चाचा चंद्रशेखर रेड्डी और बन्नी वासु भी थे। अभिनेता अल्लू अर्जुन पुलिस की पूछताछ के अपने पिता फिल्म निमार्ता अल्लू अरविंद के साथ मंगलवार सुबह 11.05 बजे चिक्कडपल्ली पुलिस स्टेशन पहुंचे। उनके साथ अल्लू अर्जुन के चाचा चंद्रशेखर रेड्डी और बन्नी वासु भी थे। सेंट्रल जोन के डीसीपी आकांक्ष यादव ने एसीपी रमेश और इंस्पेक्टर राजुनाईक की मौजूदगी में उनसे दोपहर 2.47 बजे तक संध्या थिएटर में भगदड़ की घटना के घटनाक्रम को लेकर पूछताछ की। पूछताछ के बाद अल्लू अर्जुन सीधे जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर पहुंच गए। दरअसल, 4 दिसंबर की रात को अल्लू अर्जुन हैदराबाद में स्थित संध्या थिएटर में पुष्पा-2 का प्रीमियर शो देखने गए थे। तभी वहां अधिक भीड़ के बीच भगदड़ मचने से रेवती नाम की एक महिला की मौत हो गई थी और उनका बेटा श्रीतेज घायल हो गया था। इस मामले में चिक्कडपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार भी किया था, लेकिन अल्लू को हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई थी। इस घटना के बाद तेलंगाना विधानसभा में अल्लू अर्जुन के मामले में मुख्यमंत्री के बयान पर उस्मानिया यूनिवर्सिटी के कुछ छात्रों ने 22 दिसंबर को अल्लू अर्जुन के घर तोड़फोड़ की थी। पुलिस ने आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें से छह लोगों को 23 दिसंबर को जमानत दे दी गई थी। इस घटना को लेकर पुलिस ने हाल ही में भगदड़ की घटना का 10 मिनट का वीडियो जारी किया था।

## सांसद पप्पू यादव के जन्मदिन पर मनाया गया जनसेवा दिवस

दैनिक बिहार पत्रिका

**पूर्णिया।** सासद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के जन्मदिन के अवसर पर उनके कार्यकर्ताओं के द्वारा पूर्णिया में जनसेवा दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर कंबल वितरण और भिक्षुक पुनर्वास केंद्रों में सेवा कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। उक्त अवसर पर उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से आये वृक्ष मित्र श्री जितेन्द्र यादव द्वारा सांसद के नाम से वृक्षारोपण भी किया गया।उत्तर प्रदेश से साईकिल से चलकर वृक्ष लगाने पहुंचे थे इससे पूर्व कोर्ट स्टेशन स्थित संत नगर कबीर शांति कुटीर महिला भिक्षुक केंद्र और विघापति नगर सेवा कुटीर पुरुष भिक्षुक पुनर्वास केंद्र में जरूरतमंदों के बीच कंबल और अन्य आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। साथ ही उन्हें भोजन भी कराया गया। इसके अलावा पंचमुखी मंदिर, लाइन बाजार, खुशकीबाग, और मरंगा सहित अन्य स्थानों पर भी कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस खास अवसर पर ठंड से राहत देने के लिए वृद्ध, असहाय, और गरीब लोगों को सैकड़ों कंबल वितरित किए गए। शांति कुटीर महिला भिक्षुक केंद्र और सेवा कुटीर पुरुष भिक्षुक पुनर्वास केंद्र में रहने वाले लोगों के साथ सांसद के जन्मदिन को खास तरीके से मनाया गया। यह आयोजन समाज में गरीब और जरूरतमंदों की मदद के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने सांसद पप्पू यादव के समाजसेवा के कार्यों की जमकर सराहना की। उनका जन्मदिन जनसेवा दिवस के रूप में मनाकर समर्थकों और स्थानीय जनता ने उन्हें अपना आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कई लोगों ने कहा कि सांसद पप्पू यादव जी गरीबों और जरूरतमंदों के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं। उनके प्रयास से समाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। इस मौके पर इस्राइल आजाद संजय सिंह, दिवाकर चौधरी, जियाउल हक प्रमुख, अशोक दास, राजेश यादव, वैश खान, सुडु यादव, चंद्र कुमार यादव, शंकर सहनी, समिउललाह सहित अन्य स्थानीय नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## गृह मंत्री ने की तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के साथ तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अखिल भारतीय स्तर पर सीसीटीएनएस 2.0, एनएएफआईएस, जेलों, अदालतों, अभियोजन और फॉरेंसिक के आईसीजेएस 2.0 के साथ एकीकृत करने के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। केन्द्रीय गृह सचिव, एनसीआरबी के निदेशक, गृह मंत्रालय और एनसीआरबी और एनआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। गृह मंत्री ने एनसीआरबी से आईसीजेएस 2.0 में नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान करने को कहा। अमित शाह ने कहा कि प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में ई-साक्ष्य, न्याय श्रुति, ई-साइन और ई- समन जैसे एप्लीकेशन का उपयोग किया जाना चाहिए। तकनीक के इस्तेमाल पर जोर देते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि पूर्व-निर्धारित समयसीमा के अनुसार जांच अधिकारियों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों को अलर्ट भेजने से जांच प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गृह मंत्रालय और एनसीआरबी के अधिकारियों की एक टीम को राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में तकनीकी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में वृद्धि करने और हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए वहां का दौरा करना चाहिए। अमित शाह ने अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम और अंतर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली की प्रगति की नियमित आधार पर निगरानी करने और परियोजना को गति प्रदान करने के लिए राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ नियमित संवाद पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अज्ञात शवों और व्यक्तियों की पहचान के लिए बायोमेट्रिक का उपयोग किया जाना चाहिए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि एनसीआरबी को जांच अधिकारियों और आपराधिक न्याय प्रणाली के अन्य हितधारकों के लाभ के लिए डेटा समृद्ध मंच बनाना चाहिए। उन्होंने नए आपराधिक कानूनों और राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस) के तकनीकी कार्यान्वयन में एनसीआरबी के प्रयासों की सराहना की।

## पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने लिया भाग,क्रिसमस का रंग बिखेरा

दैनिक बिहार पत्रिका

**वैशाली** जिला के पातेपुर स्थित जीडीएस हाइ स्कूल में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पेंटिंग प्रतियोगिता में छात्रों ने क्रिसमस के त्यौहार,परिवार और उत्सव की खुशी को अपनी कल्पना और रंग के जरिए जीवंत किया।इस अवसर पर जीडीएस हाइ स्कूल के डायरेक्टर लक्ष्मण सिंह ने विजेताओं को पुरस्कृत किया और उनकी सराहना की। उप निदेशक राकेश कुमार एवं वाइस प्रिंसिपल सुमन सिंह ने सभी को क्रिसमिस एवं नए साल की शुभकामनाएं दीं।पेंटिंग में जूनियर ग्रुप में यश राज एवं सीनियर ग्रुप में महिमा कुमारी को पहला पुरस्कार मिला।

## नए साल में यदि पार्टी मनाने की सोच रहे हैं तो अन्नपूर्णा फैमिली रेस्टुरेंट एवं उत्सव हॉल का करें रुख, जश्न हर किसी को रहेगा याद

दैनिक बिहार पत्रिका/वैशाली

नए साल का स्वागत हर कोई जोरदार से करता हैं। ऐसे में आने वाले साल का आगाज आप किसी अच्छी जगह या होटल की तलाश कर रहे हैं तो आपके लिए वैशाली जिला के पातेपुर प्रखंड के बाजीतपुर करतार स्थित अन्नपूर्णा फैमिली रेस्टुरेंट एवं उत्सव हॉल है परफेक्ट। दिसंबर का महीना शुरू होते ही लोग नए साल की पार्टी की प्लानिंग करने लगते हैं। प्लानिंग क्यों न की जाए आखिर हर किसी को नए साल को लेकर एक्साइटमेंट होती है। ज्यादातर लोग तो नए साल का वेलकम करने के लिए शहर से बाहर जाते हैं। 31 दिसंबर की रात को घर से दूर रहकर दोस्तों या परिवार के सदस्यों के साथ सेलिब्रेट करना है । वहीं यदि अपने पातेपुर क्षेत्र में शहर वाली मजा लेना चाहते हैं तो चले आइए बाजीतपुर करतार स्थित अन्नपूर्णा फैमिली रेस्टुरेंट एवं उत्सव हॉल में।वैशाली जिला के प्रतिष्ठित होटल अन्नपूर्णा फैमिली रेस्टुरेंट एवं उत्सव हॉल में नए वर्ष के स्वागत में 1 जनवरी को न्यू ईयर पार्टी का भव्य आयोजन किया जा रहा हैं। होटल के संस्थापक धर्मजीत कुमार ने बताया कि पातेपुर क्षेत्र में नए वर्ष के स्वागत में इस तरह का भव्य आयोजन पहली बार अन्नपूर्णा फैमिली रेस्टुरेंट एवं उत्सव हॉल द्वारा किया जाएगा। पार्टी हेतु पूरे होटल को जगमगाती रौशनीयां से सजाया गया हैं।यहां के प्राकृतिक वातावरण में जगमगाती रौशनी की छटा का एक अलग ही नजारा हैं।

- अन्नपूर्णा फैमिली रेस्टुरेंट एवं उत्सव हॉल

# एक नज़र इधर भी

## धरनीपट्टी पंचायत के मुखिया प्रेम राय हुए भाजपा में शामिल

दैनिक बिहार पत्रिका

**मोहनपुर।** राजद के पूर्व प्रखण्ड अध्यक्ष एवं मोहनपुर क्षेत्र संख्या 21 के पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं धरनीपट्टी पश्चिम के वर्तमान मुखिया प्रेम राय ने मोहिउद्दीन नगर विधायक श्री राजेश कुमार सिंह के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया है ।प्रेम राय ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण के बाद बताया कि उजियारपुर के सांसद नित्यानंद राय एवं स्थानीय विधायक राजेश कुमार सिंह के विकास कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने बताया कि एनडीए की डबल इंजन सरकार ने क्षेत्र में विकास की गंगा बहा दी है। भला ऐसे में हम कैसे अलग रह सकते हैं। प्रतिनिधि होने के नाते क्षेत्र का विकास ही हमारी प्राथमिकता है। और इसलिए हमने भाजपा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का निर्णय लिया है। मौके पर जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र चौहान, मंडल अध्यक्ष बीर बहादुर सिंह, जट्टा प्रसाद राय, सिद्धि नाथ राय, रणवीर भगत सिंह संतोष पोद्दार समेत दर्जनों लोगों मौजूद थे।

## सड़क की चौड़ीकरण करने की मांग

दैनिक बिहार पत्रिका

**सेमापुर/कटिहार।**सेमापुर क्षेत्र के काबर चौक से बरारी बाजार जाने वाली सड़क कि चौड़ीकरण करने की मांग ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं प्रतिनिधियों से किया है। वही ग्रामीण विकास कुमार,रंजीत कुमार,रवि कुमार सहित अन्य लोगों ने बताया काबर चौक से बरारी जाने वाली सड़क का चौड़ीकरण नहीं होने से लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । सड़क की चौड़ाई कम होने से दो वाहनों को चार पहिया वाहन से साइड लेने के दौरान कई बार दुर्घटना भी हो जाता है खास करके जब दोनों ओर से चार पहिया वाहन आए तो किसी एक को साइड खड़े होकर साइड देना पड़ता है । रंजीत कुमार ने बताया कि जनप्रतिनिधियों को सड़क की चौड़ाई करने की मांग को लेकर कई बार अवगत कराया गया उसके बावजूद भी आज तक इस और कोई पहल नहीं की गई। प्रतिदिन की सड़क से जिले के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि गुजरते हैं। फिर भी इस और कोई ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से सड़क की चौड़ीकरण करने की मांग किया है।

## पंचायत भवन खंडहर में तब्दील, जीर्णोद्धार कराने की मांग

दैनिक बिहार पत्रिका

**बरारी /कटिहार।**बरारी प्रखंड क्षेत्र के सुखासन पंचायत के पंचायत भवन भवन अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों की अनदेखी से इसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है। सरकार के द्वारा 18 से 22 वर्ष पूर्व पंचायत भवन का निर्माण कराया गया था जोकि पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। जबकि इस पंचायत भवन में न तो ग्राम पंचायत की बैठक की जा रही है और न ही यहां पर कोई विभागीय अधिकारी व कर्मचारी जा रहा है। पंचायत के द्वारा कोई भी बैठक बुलाई जाती है। वही ग्रामीणों का कहना कि निजी जमीन होने के कारण पंचायत भवन का मरम्मत कार्य नहीं हो पा रहा है जिसके कारण यह पंचायत भवन पूरी तरह से जर्जर अवस्था में पड़ा हुआ है। यही नहीं भवन की छतों व दीवारों से प्लास्टर टूटकर गिर रहे हैं। भवन की रंगाई-पोताई भी विभाग द्वारा नहीं कराई गई है। जिससे पंचायत भवन की दशा बेहद खराब हो चुकी है। जबकि शासन का स्पष्ट आदेश है कि ग्राम पंचायत के संपत्तियों की उचित देखभाल की जाए लेकिन शासन का यह आदेश मात्र दिखावा सिद्ध हो रहा है। गांव वासियों ने बताया कि पंचायत भवन की मरम्मत कराने के लिए जिला पदाधिकारी से मांग की गई है। इसके बावजूद भवन की स्थिति जस की तस बनी हुई है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया जब भी कोई पंचायत स्तर पर आम सभा का आयोजन किया जाता है तो आम सभा का बैठक करने में परेशानियां झेलनी पड़ती है। वही ग्रामीण अब्दुल, मुकेश कुमार, विकास कुमार, रंजीत कुमार सहित अन्य लोगों ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं जिला पदाधिकारी से पंचायत भवन का निर्माण करन की मांग किया है।

## 25 हजार का इनामी अपराधी गुड्डू पटना से गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका

**समस्तीपुर ।**मोहिउद्दीननगर थाने की पुलिस व एसटीएफ की टीम ने संयुक्त रूप से गुप्त सुचना पर छापमारी कर 25 हजार का इनामी बदमाश गुड्डू को पटना के दानापुर से गिरफ्तार की है। गुड्डू की गिरफ्तारी से मोहिउद्दीननगर सहित पटना पुलिस ने राहत की सांस लिया है .जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष गौरव प्रसाद ने बताया कि पुलिस को गुप्त सुचना मिली थी कि गुड्डू पटना के दानापुर क्षेत्र मे छुपा है। इसी को लेकर पटना एसटीएफ की टीम व मोहिउद्दीननगर पुलिस ने कार्यवाई करते हुए सोमवार की रात गिरफ्तार की है। जिसे मंगलवार को पटोरी डीएसपी बीरेंद्र कुमार मेधाबी ने गहन पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत मे समस्तीपुर भेज दी। थानाध्यक्ष ने बताया कि गुड्डू एक हिनियस अपराधी और कई मामले अभियुक्त था। जिस पर हत्याएँ, लूट, रंगदारी के दर्जनों मामले दर्ज है। गुड्डू को ढूंढने के लिए पुलिस काफ़ी दिनों से पुलिस सक्रिय थी।

# बदमाशों ने बीपीएससी शिक्षिका की गोली मारकर किया हत्या,छानबीन में जुटी पुलिस

दैनिक बिहार पत्रिका

**समस्तीपुर।** इन दोनों जमीनी विवाद में हत्या और गोलीबारी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते चार दिनों के अंदर जमीनी विवाद की अलग-अलग घटना में हुई गोलीबारी में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो चुकी है जबकि चार से अधिक लोग जख्मी हुए हैं। ताजा मामला दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के खोकसाह वार्ड संख्या-4 की है। जहां सोमवार रात 5 से 6 की संख्या में हथियारबंद बदमाशों ने एक महिला शिक्षिका की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक महिला की पहचान मनीषा साह के रूप में हुई है। महिला सरायरंजन प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मनिका में शिक्षिका के रूप में कार्यरत थी। घटना के संबंध में मृतक शिक्षिका के ससुर नरेश कुमार साह का बताना है कि सोमवार रात जब घर के लोग सो रहे थे। इसी बीच किसी ने घर के बाहर से आवाज लगाई। आवाज पर बाहर निकल बदमाशों के हाथ में हथियार देख घर के अंदर भाग बेटे को जगाया। बेटे ने जब बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की तब बदमाशों ने गोली चला दी। जिससे उसकी बहु की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। इधर गोलीबारी की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस शव को जप्त कर मामले की जांच में जुट गई है। वहीं एफएसएल और डीआईयू की टीम भी मौके पर पहुंच तकनीकी अनुसंधान में जुट गई है। मृतक के ससुर बताना है कि जमीनी विवाद को लेकर थाने में मामला भी दर्ज कराया था जिसका पुलिस ने एक दिन पहले ही अनुसंधान किया था। जमीनी विवाद को लेकर इसके पूर्व भी उनके परिवार में दो लोगों की हत्या हो चुकी है।

# अनचाहे बच्चे को फेंके नहीं, उपलब्ध करा दे विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान को

दैनिक बिहार पत्रिका

**बांका।** अनचाहे बच्चे को फेंके नहीं हमें दें एवं विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान के प्रसार हेतु जिला बाल संरक्षण इकाई के अंतर्गत संचालित विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान एवं चाइल्ड हेल्प लाइन के कर्मियों के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रजौंन एवं थाना रजौंन में जागरूकता कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनमानस को दत्तक ग्रहण के सम्बन्ध में जागरूक किया गया एवं अपील किया गया कि किसी भी अनचाहे बच्चे को फेंके नहीं एवं अनचाहे बच्चे को विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान को उपलब्ध करा दे। इस कार्य हेतु जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्र में पालना का अधिष्ठापन भी किया गया है।

# बिजली एवं शौचालय रंग रोगन से वंचित आंगनबाड़ी केंद्र

दैनिक बिहार पत्रिका

**चांदन/बांका।** एक तरफ शिक्षा और खेल कूद में सरकार लाखों करोड़ों रुपए पानी कि तरह बहा रही है। वहीं दूसरी ओर प्रखंड से लेकर जिला में बैठे अधिकारी सिर्फ खानापूर्ति करने में लगा हुआ है। ऐसा ही मामला चांदन प्रखंड अंतर्गत कुछ आंगनबाड़ी केंद्र का सामने आया है। ऐसे तो जिला पदाधिकारी महोदय बांका द्वारा जिले के हर क्षेत्र में नौनिहाल बच्चों की पठन-पाठन एवं पोष्टिक आहार सभी को मिले जिसके तहत कई कार्यक्रम चला कर लोगों को जागरूक करवा रहे हैं। चाहे नये नये आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण हो या पुरानी आंगनबाड़ी केंद्र का जिर्णोद्धार कार्य आज भी प्रगति पर चल रही है। बावजूद दक्षिणी बारने पंचायत के वार्ड नंबर 2 अमजोरा गांव अवस्थित आंगनबाड़ी केंद्र आज भी बुनियादी सुविधा उपलब्ध नहीं है। वर्षा पुर्व बना आंगनबाड़ी केंद्र दलित बस्ती अमजोरा में बिजली, पानी, शौचालय एवं भवन का रंग रोगन से आज तक वंचित है। केंद्र कि सेविका ललिता देवी और सहायिका बिष्णी देवी ने बताई आंगनबाड़ी केंद्र में बिजली शौचालय नहीं होने से बच्चों के साथ साथ हमलोगों को काफ़ी परेशानी हो रही है। किसी बच्चे को शौच लगने पर खेत के तरफ ले जाना पड़ता है। यहां मात्र एक चापानल है जिसमें दूषित पानी निकलता है। खाना पकाने के लिए सहायिका को दूर से पानी लाना होता है। बावजूद अधिकारी लोग आते हैं और सिर्फ अश्वासन देकर चले जाते हैं। आंगनबाड़ी केंद्र का जिर्णोद्धार कराना बहुत जरूरी है।

# विधायक ने करोड़ों रुपए के लागत से बनने वाले दो सड़कों का किया शिलान्यास

दैनिक बिहार पत्रिका

**मोहिउद्दीननगर।** स्थानीय विधायक श्री राजेश कुमार सिंह ने विधानसभा क्षेत्र में दो सड़कों का शिलान्यास किया.जिसमें तेतारपुर पंचायत के संपर्क पथ से धर्मपुर जाने वाली सड़क एवं डुमरी से रसलपुर को जोड़ने वाली सड़क शामिल शामिल है. यह दोनों सड़क मुख्यमंत्री उन्नयन योजना के तहत शिलान्यास किया। यह सड़क 3.200 मीटर में बनेगी इसे प्रत्यक्षा कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड वैशाली द्वारा बनाया जाएगा। इधर डुमरी और रसलपुर को जोड़ने वाली वाटर वेज बांध पर बनने वाली सड़क जो बघड़ा पंचायत से होकर गुजरेगी। दोनों सड़कों के शिलान्यास करने के बाद विधायक श्री राजेश कुमार सिंह ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए बताया बिहार में एनडीए की सरकार रहने से मोहिउद्दीन नगर विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास की कार्य किया जा रहा है. जिसमें दो सड़कों का शिलान्यास किया गया है.यह सड़क लगभग 4.5 करोड़ लागत से बनेगी। जिससे बघड़ा वाटर वेज वाले सड़क बनने से धरनीपट्टी पूर्वी , धरनीपट्टी पश्चिम, बघड़ा, डुमरी, जौनापुर, जलालपुर, बेड़ी विशनपुर सहित मोहिउद्दीन नगर प्रखण्ड को मोहनपुर प्रखण्ड के पत्थर घाट को जोड़ेगी। इससे के क्षेत्र लाखों आबादी को फायदा मिलेगा। इतना ही नहीं यह सड़क जहाँ पत्थर घाट पर एन एच 122 बी से जुड़ जाएगी वहीं यह मोहिउद्दीन नगर के साथ साथ विद्यापति नगर को भी जोड़ देगी। वही दूरी सड़क धर्मपुर से तेतारपुर गांव को जोड़ेगी। इस मौके प्रत्यक्षा कंट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के संवेदक सौरभ सिंह राठौड़ भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र चौहान,संतोष पोद्दार,मंडल अध्यक्ष बीर बहादुर सिंह,पूर्व मंडल अध्यक्ष रवि सिंह,पूर्व मुखिया राजेश कुमार सिंह,बघड़ा मुखिया रणवीर भगत, मुखिया पति महेश राय, पुर्व उपमुखिया रामसेवक पोद्दार, कुमार, फणिभुषण यादव,सुड्डु सिंह, बीरबल सिंह, चंदेश्वर पासवान, मुखिया अमरेन्द्र सिंह, कुणाल सिंह,पदार्थ पासवान, बिट्टू सिंह,कृष्णा चौहान,सुमित सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे

# राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' पर समाहरणालय सभाकक्ष में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम हुई आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका

**समस्तीपुर।** जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' पर मंगलवार को जिला समाहरणालय सभाकक्ष में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को अपने अधिकार के प्रति जागरूक करना और उनके अधिकार को संरक्षित करना है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा जिले में आज से आगामी 30 दिसंबर तक उपभोक्ता जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। इस अवसर पर प्रभारी जिलाधिकारी अजय कुमार तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता संजय कुमार सिन्हा उर्फ दीपू बाबू , कृष्ण कुमार झा, मोती कुमार, शिवानी सिन्हा, हरेन्द्र प्रसाद सिंह, देवनारायण प्रसाद, शिव प्रकाश खेमका,असीम आनंद, नवीन कुमार ईश्वर,नंदन कुमार, गजराज शर्मा, मो. कैसरूज्जमा, रनिकेत पण्डित एवं हरे कृष्ण राम ने उपभोक्ता अधिकार से सम्बंधित कानूनों पर प्रकाश डाला।

# 'प्रशासन गांव की ओर' पहल के अंतर्गत मंगलवार को पटेढ़ी बेलसर प्रखंड अंतर्गत सभी पंचायतों में कुल 253 आवेदन प्राप्त किए गए

दैनिक बिहार पत्रिका/वैशाली

प्रशासन गांव की ओर पहल के अंतर्गत मंगलवार को पटेढ़ी बेलसर प्रखंड अंतर्गत सभी पंचायतों में कुल 253 आवेदन प्राप्त किए गए जिसमें से 140 आवेदनों का निष्पादन किया गया। दिनांक के 21-12- 24 से 24-12-24 तक चलने वाले प्रशासन गांव की ओर अभियान अंतर्गत कुल 714 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से कुल 389 आवेदनों का निष्पादन किया गया। उप विकास आयुक्त वैशाली ने प्रशासन गांव की ओर पहल के महत्व को रेखांकित करते हुए यह बताया कि सरकार की यह पहल इसलिए है कि आम जनों को अपनी शिकायतों के निष्पादन हेतु सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े तथा प्रशासन स्वयं उनके दरवाजे पर पहुंचकर उनकी शिकायतों का निवारण करें। इसके साथ ही उन्होंने सभी विभागों के पदाधिकारी को यह निर्देश दिया कि जिन आवेदनों का निष्पादन अभी तक नहीं हो सका है उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने हेतु आवश्यक कदम उठाएं। । ग्रामीण जनों ने इस पहल को जनउपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की।

# यूनिसेफ की टीम ने भगवानपुर में जलकुंभी और बांस कला का किया अवलोकन, की प्रशंसा

दैनिक बिहार पत्रिका/वैशाली

भगवानपुर प्रखंड में मंगलवार को मैरी क्लाउड,चीफ ऑफ न्यूट्रीशन,यूनिसेफ का आगमन हुआ।इनके साथ यूनिसेफ के राज्य स्तर के अन्य सदस्यों का भी आगमन हुआ। सबसे पहले मझौली महमदपुर बुजुर्ग पंचायत के सिसौनी प्रबोधि के आंगनबाडी केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस मौके पर बीडीओ डॉ. आनंद मोहन के साथ नीति कुमारी,सीडीपीओ,अर्चना कुमारी,महिला पर्यवेक्षिका आदि उपस्थित थे। आंगनबाड़ी सेविका कनिका द्वारा पोषण के बारे चीफ को बताया गया कि केंद्र पर अंडा , दूध के साथ अलग अलग दिनों में विभिन्न प्रकार का नाश्ता दिया जाता है। बीडीओ के विशेष आग्रह पर हस्तशिल्प कला कार्यक्रम के तहत निर्मित निर्मित वस्तुओं का निरीक्षण किया गया, जिसे देखकर यूनिसेफ की आई हुई टीम ने प्रशंसा की। वे हस्तकला कला से ये बेहद प्रभावित हुए।मेरी क्लाउड चीफ ऑफ न्यूट्रिशियन मूलतः कनाडा की हैं ,जिनके द्वारा मधुबनी पेंटिंग, टिकुली पेंटिंग,जलकुंभी कला,बांस कला को बहुत ही बारीकी से अवलोकन कर इस कार्य में लगे महिलाओं का आभार व्यक्त किया। कहा, इतना कलात्मक वस्तु का निर्माण बहुत कम देखने को मिलता है।मधुबनी पेंटिंग के शिल्पकार सीमा कुमारी के द्वारा जिस आकृति को उकेरा गया है, वह काबिले तारीफ है। बीडीओ डॉ. आनंद मोहन द्वारा एकता फाउंडेशन का भी अवलोकन कराया गया, जहां उपस्थित कामगारों द्वारा चावल बनाने की विधि से अवगत कराया गया। इस मौके पर कई पदाधिकारी, कर्मी और शिल्पकार मौजूद थे।

# प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम में दो विभाग के पदाधिकारी रहे अनुपस्थित

दैनिक बिहार पत्रिका

**फुल्लीडुमर/बांका।** विभाग एवं सरकार के निर्देशानुसार फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत व भितिया के पंचायत भवन में मुखिया बबिता भारती की अध्यक्षता में प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार आयोजित शिविर में पीएम आवास, स्वास्थ्य ,आपूर्ति, स्वच्छता, राजस्व एवं भूमि सुधार, आरटीपीएस, विद्युत, पंचायती राज, कृषि, सहकारिता, श्रम प्रवर्तन, सामाजिक सुरक्षा, बल विकास परियोजना, मनरेगा, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण एवं ग्रामीण कार्य विभाग के अलग-अलग काउंटर बनाए गए थे। जहां पंचायत वासियों ने अपनी अपनी समस्याओं को संबंधित विभाग के काउंटर पर दर्ज कराई। वहीं आयोजित शिविर में कल्याण विभाग एवं सांख्यिकी विभाग का काउंटर नहीं रहने से शिविर में आए फरियादी निराश होकर घर लौट गए। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी अपने-अपने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी शिविर में आए ग्रामीणों को दी। वहीं आयोजित शिविर में मुख्य रूप से अंचल अधिकारी मनोज कुमार, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नवीन कुमार, मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र जुनियर , पीआरएस सतीश कुमार सहित सभी विभाग के पदाधिकारी एवं काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

## एक नज़र इधर भी

### शांति निकेतन एकेडमी के सभी शाखयो में क्रिसमस डे मनाया गया

दैनिक बिहार पत्रिका

**गया।** शांति निकेतन एकेडमी सभी धर्मों के त्योहारों को उत्सव के रूप में छात्र-छात्रओं के बीच मनाते आयी है। सर्वधर्म सम्भाव का सिद्धांत हीं विद्यालय की मुख्य पहचान है। इसी क्रम में आज होली, दिवाली, दशहारा, जन्माष्टमी, ईद के बाद आज एकेडमी के सभी शाखाओं ए०पी० कौलनी, अर्चना हाउस कटारी हिल रोड, रौना चाकंद में मंगलबार को क्रिसमस डे प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी आज दिन मंगलबार को उत्साह के साथ मनाया गया है। विद्यालय के सभी शाखाओं को लाल और सफेद रंग के गुब्बारों तथा क्रिसमस ट्री से सजाया गया है। अस्तबल बना कर प्रभु ईशा मसीह का जन्म दृश्य प्रस्तुत किया गया है। जिसमे कक्षा नर्सरी की वर्तिका, उमैरा, मदर मरियम बनी, और अयंश , अनुदीप, शिजान, कशिश फादर बने। कक्षा नर्सरी और प्लेग्रुप से भव्या, इल्मा, कृति, अंकुश ,भूमि, समृधि, अनाबिया परी के वेश-भुषा में नजर आये। कक्षा प्लेग्रुप से सीनियर केजी के सारे बच्चों को सांता बनाया गया। सभी बच्चों और शिक्षको द्वारा जिंगल बेल साँग गाया गया और सांता के साथ डांस और मस्ती की है। शिक्षको ने बच्चों को क्रिसमस से जुड़ी कहानी सुनाई एवं यह बताया गया कि आज के ही दिन ईसा मसीह का जन्म हुआ था। विद्यालय में सभी बच्चों को सांता ने चॉकलेट और गिफ्ट बाँटे और क्रिसमस की बधाईयाँ दी है।इस मौके पर विद्यालय के चेयरमैन हरि प्रपन्न ने बताया कि क्रिसमस शाति, प्रेम, त्याग, भाईचारा और खुशियों का पर्व है। हमें भी सांता और प्रभु ईशु की तरह सभी के जीवन में खुशियाँ बाँटनी चाहिए।

### अकस के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में पुलिस - प्रशासन

दैनिक बिहार पत्रिका

**डेहरी/रोहतास।**अभिनव कलासंगम द्वारा आयोजित होने वाले 31 वीं अखिल भारतीय बहू भारतीय नाट्य प्रतियोगिता सांस्कृतिक प्रतियोगिता को लेकर पुलिस प्रशासनिक अधिकारी अलर्ट मोड में है कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले कलाकारों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो इसके लिए एसडीएम ने नगर परिषद स्वास्थ्य अग्निशमन रेल पुलिस व विद्युत विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखकर कार्यक्रम से संबंधित तैयारी पर नजर रखने व कार्यक्रम को लेकर विभागीय स्तर पर सहयोग करने को कहा है। स्टेशन रोड स्थित झुनझुनवाला वाटिका परिसर मे 26 से 30 दिसंबर तक आयोजित होने वाले आल इंडिया नाट्य प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक प्रतियोगिता को लेकर एसडीएम सूर्य प्रताप सिंह ने अभिनव कला संगम सदस्यों के साथ बैठक की। कार्यक्रम के बारे मे जानकारी देते हुए संस्था के अध्यक्ष कमलेश कुमार ने बताया कि देश के 13 राज्यों से 32 नाट्य टीमें कार्यक्रम मे भाग लेंगी। 26 से 29 दिसंबर तक प्रतिदिन शाम को नाटक प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जबकि 27 से 29 दिसंबर तक दिन में गायन, नृत्य, चित्रकला व मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। शहर के प्रमुख चौक- चौराहों पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा 30 दिसंबर को दिन में शहर मे भव्य रंग यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें सभी राज्यों के कलाकार अपने- अपने पारम्परिक परिधानो मे समाजिक कुरीतियां व विभिन्न विषयों को लेकर झांकी निकालेगी। इसके लिए रूट चार्ट तय किया गया है। प्रमुख स्थानों पर व्यवसायियों व पुलिस प्रशासन द्वारा कलाकारो के स्वागत के अल्पाहार की व्यवस्था की गई है। जबकि कई स्थानों पर रंग यात्रा में शामिल कलाकारो पर पुष्प वर्षा किया जाएगा। एसडीम ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा का पूरा व्यवस्था रहेगा। कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की तैनाती भी कि जाएगी। कार्यक्रम स्थल के साथ-साथ शहर कि सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखी जाएगी। विद्युत विभाग, अग्निशमन विभाग व राजकीय रेल पुलिस को भी इस कार्यक्रम को लेकर अपनी ओर से तैयारी करने को कहा गया है। प्रशासन द्वारा चौक-चौराहे पर देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले कलाकारों का स्वागत संबंधित पोस्टर, जिसमें पुलिस- प्रशासनिक अधिकारियों का मोबाइल नंबर भी दर्शाया गया है। कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त मात्रा में दावों के साथ दो शिफ्ट में चिकित्सा कर्मियों की तैनाती की जाएगी। 30 दिसंबर को शहर में निकलने वाले रंग यात्रा में पुलिस पदाधिकारी व कर्मियों की टीम के साथ अग्निशमन वाहन व एंबुलेंस वाहन को भी रखा गया है। बैठक में नगर थानाध्यक्ष शिवेंद्र कुमार, अकस सचिव विनय मिश्रा, कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता, उपाध्यक्ष सीमल सिंह, निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा, अधिवक्ता मनोज अज्ञानी, आदि मौजूद थे।

### रेलवे स्टेशन पर मै आइ हेल्प यू साहयता केन्द्र का एस एस पी ने किया उद्घाटन

**गया रेलवे स्टेशन** के समीप में May I Help You सेंटर का एसएसपी आशीष भारती ने फीता काटकर उद्घाटन किया है। इस केंद्र का उद्देश्य है कि यात्रियों और आम जनता को त्वरित सहायता और सुरक्षा प्रदान करना है।इस अवसर पर एसएसपी आशीष भारती ने कहा कि यह केंद्र यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्थापित किया गया है। इस केंद्र पर पुलिस कर्मी 24x7 उपलब्ध रहेंगे और किसी भी प्रकार की सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। गया शहर एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल है, जो महाबोधि मंदिर, विष्णुपद मंदिर और अन्य ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यहां काफी संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु आते हैं। जिनकी सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए May I Help You सेंटर की स्थापना की गई है। इस मौके पर नगर पुलिस अधीक्षक,अपर पुलिस अधीक्षक (नगर),कोतवाली थानाध्यक्ष एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी-कर्मी भी मौजूद रहे।

# आखिर क्यों?... 2 दिन...2 छात्रा ने कर ली खुदकुशी, लोगों में फैली दहशत

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

**बांका।** जिला की दो छात्रा जो भागलपुर लॉज में रहकर पढ़ाई कर रही थी। अज्ञात कारणों से दो दिनों के भीतर दो छात्रा की खुदकुशी कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को लेकर क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

**पहला मामला:**

**बाराहाट.** थाना क्षेत्र के बभनगामा गांव निवासी छात्रा ने सोमवार को भागलपुर में आत्महत्या कर ली। जिसके बाद गांव में मातम व सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना पूरे परिवार को झिकझोर कर रख दिया। एक पिता का अपने बच्चों को पढ़ाने का सपना अधूरा रह गया। जानकारी के अनुसार उक्त गांव के विनोद पूर्वे एक किसान हैं, जिनका सपना था कि दोनों बच्चों को अच्छी शिक्षा दे। विनोद पूर्वे को एक पुत्र अंकित कुमार जो इंटर की तैयारी कर रहा है। बेटी स्वीटी कुमारी भागलपुर में रहकर मैट्रिक की तैयारी कर रही थी। घटना के बाद सभी परिजन भागलपुर के लिए रवाना हो गये हैं। ग्रामीण बताते हैं कि विनोद पूर्वे एक मध्यम वर्गीय किसान थे, जो अपने बच्चों के लग्न को देखते हुए बेहतर शिक्षा के लिए बच्चों को भागलपुर में रखकर प्राइवेट कोचिंग के माध्यम से अच्छी शिक्षा देना चाहते थे। स्वीटी के इस फैसले ने परिवार को झकझोर कर रख दिया है। मृतका स्वीटी के दादा चनिकलाल पूर्वे का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भागलपुर निकल चुके थे। घर में ताला लटका पड़ा था।

**दूसरा मामला:**

**भागलपुर** जिले में बरारी थाना क्षेत्र के बड़ी खंजरपुर डीआईजी कोठी के नजदीक रविवार को आदित्य कॉलेज लॉज में रहने वाली नर्सिंग की छात्रा ने फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। मृतका बांका जिला के धोरैया थाना क्षेत्र स्थित बनरचूहा गांव के रहने वाले किसान आशीष कुमार की 23 वर्षीय बेटी कंचन कुमारी है। कंचन अपनी तीन बहनों और छह साल के भाई को लॉज के कमरे में साथ रखकर पढ़ाई करवाती थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची बरारी पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।

### सुलतानपुर दियारा मे खेत जोत फसल बर्वाद करने व गोली फायरिंग का आरोप लगाकर टेढ़ी बाजार के समीप किया रोड जाम

दैनिक बिहार पत्रिका

मोहिउद्दीननगर। थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर दियारा मे पांच बीघे जमीन मे लगी फसल को जोत देने और कई राउंड फायरिंग किये जाने का मामला मे आया है। इस बावत सुलतानपुर निवासी पशुराम सिंह व उनके पुत्र विकास कुमार सिंह ने फसल बर्वाद करने व पुलिस द्वारा कार्यवाई नहीं किये जाने के विरोध मे एनच 122 बी पर टेढ़ी बाजार के समीप एक घंटे तक रोड जाम कर आवागमन अवरुद्ध कर दिया। जाम से राहगीरों को काफ़ी परेशानी झेलनी पड़ी। रोड जाम की सुचना पर पहुंचे एसआई वशिष्ठ राम एवं एसआई संजय सिंह ने जाम कर रहे लोगो को कार्यवाई किये जाने आश्वासन देकर जाम समाप्त कराये। पशुराम सिंह व उनके पुत्र का बताना था कि दर्जनों दबंग लोगो ने सोमवार कि देर रात मेरे पांच बीघे जमीन मे लगी गेहूं एवं आलू कि फसल को ट्रेक्टर से जोत रहा था। जब हम लोग मना करने गए तो वो लोग हमलोगो के पर कई राउंड फायरिंग किया। जिसकी सुचना पुलिस को दी गई थी। लेकिन दबंगो पर पुलिस द्वारा कोई कार्यवाई नहीं की गई। इस बाबत जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष गौरव प्रसाद ने गोली फायरिंग कि घटना से इनकार करते हुए बताया कि जो आरोप लगाया जा रहा है .उसकी जाँच पुलिस करेंगी। वैसे किसी पक्ष के द्वारा कोई आवेदन नहीं दी गई है।

# मंदार महोत्सव का सांस्कृतिक मंच बॉलीवुड कलाकार से होगा गुलजार, सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर भी प्रशासनिक तैयारी अंतिम चरण में

दैनिक बिहार पत्रिका

**बौंसी/बांका।** मंदार महोत्सव में इस बार भव्य तरीके से आयोजित होगी। आयोजन को भव्य बनाने के लिए मंदार से लेकर बौंसी तक तैयारी अब की जा रही है। तो दूसरी तरफ मंदार महोत्सव में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर भी प्रशासनिक तैयारी अंतिम चरण में है। देश के ख्याति प्राप्त गजल गायक कुमार सत्यम का प्रोग्राम 15 जनवरी को होना संभावित तय हुआ है। इसके अलावा कई ख्याति प्राप्त कलाकारों के भी आने की बात हो गईं है। जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग के द्वारा पवनदीप, सुदेश भोसले सुरेश अरुणीता के अलावा कोई अन्य कलाकारों से भी बातचीत प्रशासन के द्वारा चल रही है। उम्मीद है एक-दो दिनों में कलाकारों का भी चयन कर लिया जाएगा। जानकारी हो की 14 जनवरी से 16 जनवरी तक तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव से मंदार क्षेत्र गुलजार रहता है। कोई मंदार क्षेत्र के कलाकारों ने मांग कि है कि यहां के स्थानीय कलाकारों को भी मंच पर मौका मिले। तो दूसरी तरफ मेला मैदान का सबसे मुख्य आकर्षण स्व मुनेश्वर सिंह कृषि प्रदर्शनी में तैयारी चल रही है। कृषि विभाग के द्वारा काम किया जा रहा है। कृषि प्रदर्शनी के पास शौचालय का निर्माण किया जा रहा है। 15 अन्य पुराने शौचालय को हाईटेक किया जा रहा है। वहीं बौंसी बाजार से लेकर पापहरनी सरोवर मंदार पर्वत जाने वाली सड़क का मरम्मती का काम आरंभ नहीं हुआ है। सड़क में

जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं साथ ही सड़क के दोनों किनारे मिट्टी का भराव होना जरूरी है। मंदार पर्वत के सीडीओ का भी रंग रोगन का कार्य आरंभ नहीं हुआ है। जिसे जल्द आरंभ करने की योजना है। दूसरी ओर अनुमंडल पदाधिकारी एवं सीओ से कहा कि मेला से पूर्व मंदार मेला ग्राउंड एवं बाजार से अतिक्रमण को अभिलंब हटा लिया जाए। ताकि यहां आने वाले आम लोगों में एवं दुकानदारों को किसी भी प्रकार का असुविधा नहीं हो। झपनिया गांव से रेलवे सड़क किनारे तक ग्रामीणों के द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने का निर्देश दिया गया। पापहरणी सरोवर एवं अवंतिका नाथ मंदिर में लगा मास्क लाइट को दुरुस्त करवाने, सीताकुंड से सफाई के दौरान मूर्ति को संरक्षित रखने एवं लक्ष्मी नारायण मंदिर के रास्ते पर स्टील का जंजीर लगवाने का निर्देश दिया गया। लघु जल संसाधन विभाग को पत्राचार कर मेला आरंभ होने से पूर्व सरोवर की सीढ़ियों का निर्माण करवाने के लिये कहा गया है। व्याख्यान भवन में रेस्टोरेंट खोले जाने पर रोपवे मैनेजर मुकेश कुमार ने बताया गया कि पर्यटन विभाग द्वारा टेंडर प्रक्रिया हो चुकी है। साथ ही ट्रैफिक डीएसपी को निजी स्थलों पर पार्किंग करवाने वाले लोगों को भी किराया सुनिश्चित करने की बात कही गई है। मंदार पर्वत समीप सड़क किनारे और स्थाई दुकानदारों को सड़क से दूर हटकर दुकान लगाने एवं फूड विभाग के द्वारा लाइसेंस लेने के बाद ही दुकान लगाने के लिए कहा गया है। एसडीएम ने मेला मैदान स्थित मुनीश्वर प्रदर्शनी में चल रहे सुस्त कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा है। रेलवे स्टेशन परिसर में पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया है। साथ ही विभिन्न खेल आयोजनों को लेकर सीएनडी खेल मैदान पर अवैध अतिक्रमण को तत्काल जेसीबी से हटाने के साथ ही सामान जप्त करते हुए 107 करने का निर्देश दिया गया है। खेल मैदान पर हर हाल में बिना नोटिस दिए कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। साथ ही महाराणा बंशीपुर गांधी चौक लाल मंदिर झपनियों एवं मुख्य बाजार सहित 13 जगहों पर ड्रॉप गेट बनाने की बात कही गई है। जबकि ब्लॉक मोड समीप खाली मैदान,मंदार हिल स्टेशन परिसर बशीपुर मंदार समीप, लक्ष्मी नारायण मंदिर का खाली जमीनों पर छोटी बड़ी वाहनों का पड़ाव सुनिश्चित किया गया है।

# प्रभु ईशु का मनाया गया जन्मदिन:क्रिसमस डे कार्यक्रम का आयोजन, बच्चों में दिखा उत्साह

दैनिक बिहार पत्रिका

**चांदन/बांका।** प्रखंड क्षेत्र के दक्षिणी बारने पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर चार दलित बस्ती भैरोपुर में मंगलवार को प्रभु ईशु का जन्मदिन पूर्व संध्या पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ईसाई धर्मावलंबी बच्चों ने विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, कार्यक्रम में बच्चों की वेशभूषा और प्रस्तुति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। लगभग एक दर्जन से अधिक बच्चों ने सुन्दर परियों का परिधान पहनकर इस आयोजन को और भी रोचक बना दिया।जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी खुशी से भर गया। क्रिसमस डे के मौके पर भैरो पुर गांव अवस्थित चर्च को बेहतर ढंग से दुल्हन कि तरह सजाया गया है। जहां सेंटा क्लॉज कि विभिन्न प्रकार

मुर्तियां लगाई गई थी। इस अवसर पर पादर बीगन दास आदि ने कहा कि प्रभु ईशु का संदेश किसी एक धर्म या संप्रदाय से नहीं है, वे पूरी मानवता के लिए हैं। क्रिसमस प्रेम, मानवता और दया के सिद्धांत का सन्देश देता है।ईसाई धर्म की मान्यता के अनुसार प्रभु यीशु मसीह का जन्म 25 दिसंबर को हुआ था। माना जाता है कि मरियम को एक सपना आया था, जिसमें उनके प्रभु के पुत्र यीशु को जन्म देने की भविष्यवाणी की गई थी। एक बार शादी के बाद मरियम और यूसुफ को बेथलहम जाना पड़ा। लेकिन उन्हें वहां कहीं रहने के लिए जगह नहीं मिली। देर रात होने की वजह से मरियम को बेथलहम में ही रुकना पड़ा। लेकिन वहां रुकने के लिए कोई ठीक जगह नहीं मिलने के कारण उन्होंने एक गौशाला में रुकने का फैसला किया। जहां मरियम ने प्रभु यीशु को जन्म दिया। साथ ही उन्होंने बच्चों को क्रिसमस की बधाई दी और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

### क्रिकेट टूर्नामेंट में कुर्मी टोला के टीम को हराकर गोगरी कस्बा टीम विजेता बने

दैनिक बिहार पत्रिका

**गोगरी।** अनुमंडल के क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच गोगरी कस्बा और जमालपुर के कुर्मी टोला के बीच में खेला गया जिसमें कुर्मी टोला की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया 10 ओवर में 7 विकेट खोकर 103 बनाया कुर्मी टोला की टीम ने बनाया वहीं दूसरी पारी में गोगरी कस्बा की टीम ने बैटिंग करते हुए तीन 3 विकेट खो कर 7 विकेट से जीत हासिल की इसमें की आसिफ को मैन ऑफ द मैच मिला वही गोगरी कस्बा की टीम के कैप्टन ने जीत हासिल करने बाद खुशी जाहिर की वही गोगरी कस्बा के कैप्टन सुफियान को भी विनर ट्रॉफी से सम्मानित किया गया इस मैच का लुफ्त हजारों ग्रामीणों का भीड़ देखने को मिला वही बताते चले की मैच के आयोजक ने बताया खेल जीत हार होना ही है सभी इसी तरह मेहनत करते रहे आगे चलते रहे ताकि आप सभी युवाओं का भविष्य सुनहरा हो खेलने से कई फायदेमंद चीज होते हैं सेहत से लेकर तंदुरुस्ती तक होता है वहीं ग्रामीण क्षेत्र से ही लोग खेल के जिला एवं स्टेट देश लेवल पर खेलते हैं

# पप्पू यादव के जन्म दिवस पर दर्जनों जाप कार्यकर्ताओं ने ब्लड डोनेट किया

दैनिक बिहार पत्रिका

**खगड़िया।** पप्पू यादव तेरे एक इशारे पर हम अपनी जान उठा देंगे, युवा शक्ति के साथी ईट का जवाब पत्थर से देंगे, जब तक जिंदा रहेंगे जिएंगे समाज के लिए मरेंगे समाज के लिए, जीवन के आखिरी सांस तक सेवा और संघर्ष करते रहेंगे। उपरोक्त शपथ मंगलवार को युवा शक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्णियां सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के 58वें जन्म दिवस पर राबड़ी नगर नगर स्थित युवा शक्ति कार्यालय में खगड़िया युवा शक्ति के साथियों द्वारा लिया गया। युवा शक्ति के साथी द्वारा शपथ के बाद सदर अस्पताल खगड़िया में दर्जनों लोग रक्तदान किया। रक्त प्रदान करने के बाद युवा शक्ति के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नागेंद्र सिंह त्यागी ने आज के दिन की प्रासंगिकता को बताते हुए कहा कि जिस प्रकार सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव 10 वर्ष की अवस्था से अपने साथियों के बीच सहयोग करने के लिए जाने जाते रहें हैं साथ हीं बाल्यकाल से हीं छात्रों के ऊपर हो रहे किसी जुल्म का मुखर होकर विरोध करते थे। जो भाव के साथ अपने साथियों को भोजन करने एवं सहयोग करने का था। कालांतर में आज भी राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव देश में एकमात्र सांसद हैं जो अपने आवास पर 500 से 1000 लोगों को प्रत्येक दिन भोजन कराने का कार्य करते हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कोई आदमी यह कहता है कि हम आपके लिए खून दे सकते हैं लेकिन युवा शक्ति के साथी खून देने का काम करती है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में मुखिया कृष्णानंद यादव ने कहा कि पप्पू यादव का 58वां जन्मदिवस को सेवा और संकल्प दिवस के रुप में खगड़िया युवा शक्ति के साथी ने मनाया। उन्होंने कहा कि आज के दिन हीं 20 वर्ष पूर्व संकल्प लिया गया था कि युवा शक्ति के रहते बिहार में किसी व्यक्ति को खून के अभाव में मरने नहीं दिया जाएगा। अपने संबोधन में युवा शक्ति के जिला अध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने कहा कि पप्पू यादव जी का जीवन पूर्णतः प्रेरणा के लिए खुली किताब है। उनके जीवन से आज के नेताओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है। अपने संबोधन में युवा शक्ति के नेता अभय कुमार गुड्डू ने कहा कि खगड़िया जिला के प्रत्येक गांव में 10 समर्पित युवा शक्ति के साथी को तैयार करना है, जिनका जीवन समाज के लिए समर्पित होगा। युवा शक्ति के प्रदेश उपाध्यक्ष आशुतोष यादव ने कहा कि किसी भी दल का साथी युवा शक्ति के सदस्य हो सकते हैं क्योंकि पप्पू यादव जी सेवा करने में किसी संगठन या दल का सहारा नहीं लेते हैं। इसलिए आप भी आए और सुंदर समाज का निर्माण करें। पप्पू यादव के जन्मदिन पर रक्तदान करने के पश्चात किशोर दास, चंदन कुमार रजक, द्रवेश कुमार, इंद्रदेव दास, दीपक दास, धर्मेंद्र पोद्दार ने कहा कि कोई राजनेता अपने जन्मदिन फाइव स्टार होटल में मनाते हैं केक काटते हैं लेकिन पप्पू यादव जी अपने जन्मदिन पर किसी प्रकार का जश्न मानने से मना करते हैं। वे समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को सहयोग करने का काम करने के लिए अपने साथियों को प्रेरित करते हैं।

# महान राष्ट्र-सपूतों में अग्रणी थे अटल बिहारी वाजपेयी

ललित गर्ग

**तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल विहारी वाजपेयी ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय विदेश मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया।**

भारतीय राजनीति का महानायक, भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता, भारत रत्न, प्रखर कवि, वक्ता और पत्रकार श्री अटल विहारी वाजपेयी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को भारत सरकार प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। इस वर्ष हम उनका 100वां जन्मोत्सव मना रहे हैं, जिन्होंने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, विचारक एवं समाज सुधारक एवं राष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हुए थे। अटलजी यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये भारत के निमार्ता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं।

तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल विहारी वाजपेयी ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय विदेश मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। पिछले कई दशकों में वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जो विश्व के प्रति उदारवादी सोच और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं। वे ऐसे भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं जिस देश की सभ्यता का इतिहास 5000 साल पुराना है और जो अगले हजार वर्षों में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।

विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे। वाजपेयीजी बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी प्रभावित थे और उन्होंने कहा था कि अटलजी एक दिन भारत के प्रधानमंत्री जरूर बनेंगे। आज भारतीय जनता पार्टी की मजबूती का जो धरातल बना है, वह उन्हीं की देन है। वे भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक हैं। 1977 में जनता पार्टी सरकार में उन्हें विदेश मंत्री बनाया गया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशन में उन्होंने हिंदी में भाषण दिया और वे इसे अपने जीवन का सबसे

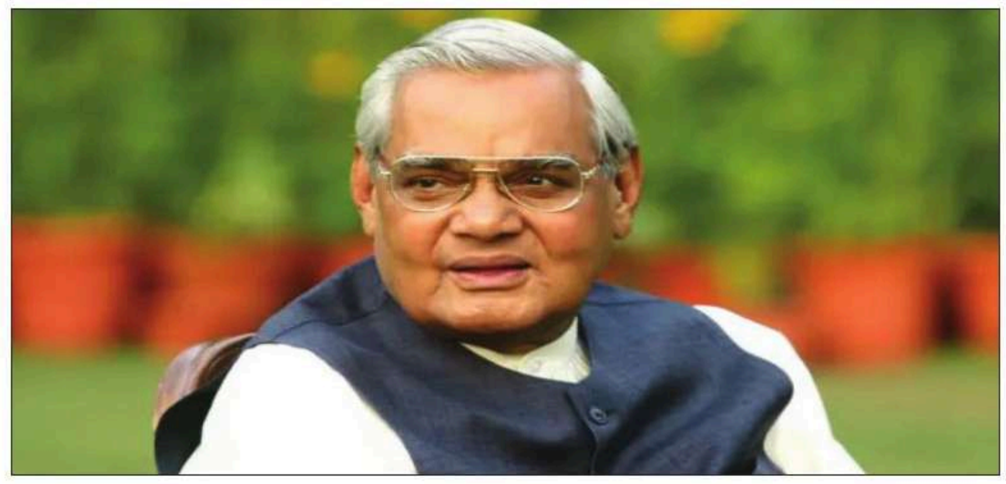

सुखद क्षण बताते थे। वे संसद में बहुत प्रभावशाली वक्ता के रूप में जाने जाते रहे हैं और महत्वपूर्ण मुद्दे पर उनके भाषण खासे गौर से सुने जाते रहे हैं, जो भारत के संसदीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

उत्तर प्रदेश में आगरा जनपद के प्राचीन स्थान बटेश्वर के मूल निवासी पण्डित कृष्ण बिहारी वाजपेयी मध्य प्रदेश की ग्वालियर रियासत में अध्यापक थे। वहीं शिन्दे की छावनी में 25 दिसंबर 1924 को ब्रह्ममुहूर्त में उनकी सहधर्मिणी कृष्णा वाजपेयी की कोख से अटलजी का जन्म हुआ था। महात्मा रामचन्द्र वीर द्वारा रचित अमर कृति 'विजय पताका' पढ़कर अटलजी के जीवन की दिशा ही बदल गयी। छात्र जीवन से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने और तभी से राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे। डॉ॰ श्यामाप्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के निर्देशन में राजनीति का पाठ तो पढ़ा ही, साथ-साथ पाञ्चजन्य, राष्ट्रधर्म, दैनिक स्वदेश और वीर अर्जुन जैसे पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादन का कार्य भी कुशलतापूर्वक करते रहे। अटलजी ने किशोर वय में ही एक अद्भुत कविता लिखी थी-हिन्दू तन-मन हिन्दू जीवन, रग-रग हिन्दू मेरा परिचय, जिससे यह पता चलता है कि बचपन से ही उनका रुझान देश हित, राष्ट्रीयता एवं हिन्दुत्व की तरफ था। राजनीति के साथ-साथ समष्टि एवं राष्ट्र के प्रति उनकी वैयक्तिक संवेदनशीलता, जिजीविषा, व्यापक दृष्टि आद्योपान्त प्रकट होती ही रही है। उनके संघर्षमय जीवन, परिवर्तनशील परिस्थितियाँ, राष्ट्रव्यापी आन्दोलन, जेल-जीवन आदि अनेक आयामों के प्रभाव एवं अनुभूति से जुड़े विचार उनके काव्य में सदैव ही दिखाई देते थे।

अटल विहारी वाजपेयी 16 मई 1996 को पहली बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन लोकसभा में बहुमत साबित न कर पाने की वजह से 31 मई 1996 को उन्हें त्यागपत्र देना पड़ा। इसके बाद 1998 तक वे लोकसभा में विपक्ष के नेता रहे। 1999 में हुए चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साझा घोषणापत्र पर लड़े गए और इन चुनावों में वाजपेयी के नेतृत्व को एक प्रमुख मुद्दा बनाया गया। गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ और वाजपेयी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाली। एनडीए का नेतृत्व करते हुए मार्च 1998 से मई 2004 तक, छह साल भारत के प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उनकी सरकार ने 11 और 13 मई 1998 को पोखरण में पाँच भूमिगत परमाणु परीक्षण विस्फोट करके भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश घोषित कर दिया। इस कदम से उन्होंने भारत को निर्विवाद रूप से विश्व मानचित्र पर एक सुदृढ वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया। यह सब इतनी गोपनीयता से किया गया कि अति विकसित जासूसी उपग्रहों व तकनीकी से संपन्न पश्चिमी देशों को इसकी भनक तक नहीं लगी। यही नहीं इसके बाद पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए लेकिन वाजपेयी सरकार ने सबका दृढ़तापूर्वक सामना करते हुए आर्थिक विकास की ऊचाइयों को छुआ। वाजपेयीजी ने पडौसी देश पाकिस्तान के साथ रिश्तों को सौहार्दपूर्ण बनाने की दृष्टि से भी अनेक उपक्रम किये। 19 फरवरी 1999 को सदा-ए-सरहद नाम से दिल्ली से लाहौर तक बस सेवा शुरू की गई। कुछ ही समय पश्चात् पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ की शह पर पाकिस्तानी सेना व उग्रवादियों ने कारगिल क्षेत्र में घुसपैठ करके कई पहाड़ी चोटियों पर कब्जा कर लिया। अटल सरकार ने पाकिस्तान की सीमा का उल्लंघन न करने की अंतर्राष्ट्रीय सलाह का सम्मान करते हुए धैर्यपूर्वक किंतु ठोस कार्यवाही करके भारतीय क्षेत्र को मुक्त कराया।

अटल विहारी वाजपेयी चाहे प्रधानमन्त्री के पद पर रहे हों या नेता प्रतिपक्ष- बेशक देश की बात हो या क्रान्तिकारियों की, या फिर उनकी अपनी ही कविताओं की, नपी-तुली और बेवाक टिप्पणी करने में अटलजी कभी नहीं चूके। भारत को लेकर उनकी स्वतंत्र सोच एवं दृष्टि रही है-ऐसा भारत जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो। उनकी कविता जंग का ऐलान है, पराजय की प्रस्तावना नहीं। वह हारे हुए सिपाही का नैराश्य-निनाद नहीं, जूझते योद्धा का जय-संकल्प है। वह निराशा का स्वर नहीं, आत्मविश्वास का जयघोष है। उन्होंने विज्ञान की शक्ति को बढ़ावा देने के लिए लाल बहादुर शास्त्री के नारे 'जय जवान जय किसान' में बदलाव किया और 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' का नारा दिया। वे जितने कद्दावर के राजनीतिज्ञ थे उतने ही गहन आध्यात्मिक भी थे। उन्होंने राजनीतिक समस्याओं के अतिरिक्त धार्मिक तथा सांस्कृतिक विषयों पर भी साधिकार कलम चलाई, एक नई दृष्टि एवं दिशा दी। इस दृष्टि से वे एक महान- राष्ट्रनायक, साहित्यकार, विचारक, महामनीषी एवं चिन्तक थे।

इस शताब्दी के भारत के 'महान सपूतों' की सूची में कुछ नाम हैं जो अंगुलियों पर गिने जा सकते हैं। अटल विहारी वाजपेयी का नाम प्रथम पंक्ति में होगा। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे वाजपेयीजी से मिलने के अनेक अवसर मिले, रायसीना हिल पर अणुव्रत आन्दोलन एवं आचार्य तुलसी के कार्यक्रमों के सिलसिले में अनेक बार मिला। प्रधानमंत्री रहते 7 रेडक्रोस रोड पर तीन-चार मुलाकातें हुई। एक बार उनके जन्म दिन पर कृष्णा मेनन मार्ग पर भी उनके दर्शनों का दुर्लभ अवसर मिला। उनमें गजब का अल्हड़पन एवं फक्कड़पन था। वे हमेशा बेपरवाह और निश्चिन्त दिखाई पड़ते थे, प्रायः लोगों से घिरे रहते थे और हंसते-हंसाते रहते थे। उनके जीवन के सारे सिद्धांत मानवीयता एवं राष्ट्रीयता की गहराई ये जुड़े थे और उस पर वे अटल भी रहते थे। किन्तु किसी भी प्रकार की रूढ़ि या पूर्वाग्रह उन्हें छू तक नहीं पाता। वे हर प्रकार से मुक्त स्वभाव के थे और यह मुक्त स्वरूप भीतर की मुक्ति का प्रकट रूप है।

भारतीय राजनीति की बड़ी विडम्बना रही है कि आदर्श की बात सबकी जुबान पर है, पर मन में नहीं। उड़ने के लिए आकाश दिखाते हैं पर खड़े होने के लिए जमीन नहीं। दर्पण आज भी सच बोलता है पर सबने मुखौटे लगा रखे हैं। ऐसी निराशा, गिरावट व अनिश्चितता की स्थिति में वाजपेयीजी ने राष्ट्रीय चरित्र, उन्नत जीवन शैली और स्वस्थ राजनीति प्रणाली के लिए बराबर प्रयास किया। वे व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के बदलाव की सोचते रहे, साइनिंग इंडिया- उदय भारत के सपने को आकार देते रहे। उनका समूचा जीवन राष्ट्र को समर्पित एक जीवन यात्रा का नाम है- आशा को अर्थ देने की यात्रा, ढलान से ऊंचाई की यात्रा, गिरावट से उठने की यात्रा, मजबूरी से मनोबल की यात्रा, सीमा से असीम होने की यात्रा, जीवन के चक्रव्यूहों से बाहर निकलने की यात्रा। 100वी जन्म जयन्ती पर मन बार-बार उनकी तड़प को प्रणाम करता है। उस महापुरुष के मनोबल को प्रणाम करता है!

## संपादकीय

# व्यापार और दोस्ती

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुवैत के महामहिम अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल सबा के साथ अपनी बैठक को उत्कृष्ट बताया। दोनों नेताओं ने व्यापक चर्चा की और भारत व कुवैत के बीच संबंध रणनीतिक साझेदारी तक विस्तारित हो गए। सूचना प्रौद्योगिकी, औषधि, फिनटेक, बुनियादी ढ़ांचे और सुरक्षा क्षेत्र में संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया। मोदी ने सोशल मीड़िया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया, मैं आशावादी हूं कि आने वाले समय में हमारी दोस्ती और भी विकसित होगी। प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय यात्रा पर वहां गए थे। जो बीते 43 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है। उन्होंने बहुत ही सधे शब्दों में बयान किया, हिन्दुस्तान से यहां आने में चार घंटे लगते हैं मगर प्रधानमंत्री को यहां आने में चार दशक लग गये। कुवैत में दस लाख की आबादी वाला भारतीय समुदाय सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। मोदी ने भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए अमीर के प्रति आभार व्यक्त किया। वे वहां प्रवासियों से भी मिले। यह मोदी का अपना तरीका है। वे अपनी विदेश यात्राओं के दौरान प्रवासी भारतीयों से मिलकर अपनी लोकप्रियता ही नहीं बढ़ाते बल्कि प्रवासियों के विषय में वे खुलकर बात करते हैं और विशाल मंच से भारतीयता तथा देसी यादों का पिटारा भी पेश करने से नहीं चूकते। कुवैत भारत का छठा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता है। देश में कुवैत निवेश प्राधिकरण का निवेश दस अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है। कुवैत ने व्यापारिक आयात-निर्यात के लिए मुंबई, कोलकाता, पोरबंदर व गोवा में इन व्यापारिक गतिविधियों के मद्देनजर अपने दफ्तर भी बनाए हैं। मोदी ने उन्नीसवीं सदी में कुवैती व्यापारियों के गुजरात आने का जिक्र भी किया। भारत और कुवैत के अरब सागर के दो किनारों पर बसे होने के बावजूद लंबे समय से रोजमर्रा के प्रयोग की चीजों समेत आभूषणों के व्यापार का आदान-प्रदान होता रहा है। मोदी ने अपनी कूटनीति में व्यापक परिवर्तन दशार्ये हैं। चूंकि इस वक्त भारत तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है, इसलिए अपनी गति बनाए रखने के लिहाज से उसे व्यापक परिवेश में सोचना होगा। देश के दीर्घकालिक हितों व विकास के नये तरीकों के प्रति विशेष रुचि रखते हुए हमें सिर्फ उपभोक्ता बने रहने की बजाए निर्यात के मार्ग भी प्रशस्त करने हैं। विश्व के विभिन्न देशों के साथ व्यापारिक संबंध भारत को तेजी से आगे बढ़ता देखने के लिए जरूरी हैं।

## चिंतन-मनन

# ध्यान की तरंग

यहूदियों में एक कथा है कि जब कोई बच्चा पैदा होता है, तो देवता आते हैं और उस बच्चे के सिर पर हाथ फेरते हैं; ताकि वह भूल जाए उस सुख को, जो सुख परमात्मा के घर उसने जाना था, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी-दयावश ऐसा करते हैं वे, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी। अगर वह सुख याद रहे, तो बड़ी कठिन हो जाएगी जिंदगी, तुलना में। तुम फिर कुछ भी करो, व्यर्थ मालूम पड़ेगा। धन कमाओ, पद कमाओ, सुंदर से सुंदर पत्नी और पति ले आओ, अच्छे से अच्छे बच्चे हों, बड़ा मकान हो, कार हो, कुछ भी सार न मालूम पड़ेगा, अगर वह सुख याद रहे।

तो यहूदी कथा कहती है कि एक देवता उतरता है करूणावश और हर बच्चे के माथे पर सिर्फ हाथ फेर देता है। उस हाथ के फेरते ही पर्दा बंद हो जाता है, उसे भूल जाता है परमात्मा। सुख भूल गया, फिर यह जीवन के दुखों में ही सोचने लगता है, सुख होगा। उस पर्दे को फिर से खोलना है, जो देवताओं ने बंद कर दिया है। मुझे तो नहीं लगता कि कोई देवता बंद करते हैं। देवता ?सी मूढ़ता नहीं कर सकते। लेकिन समाज बंद कर देता है। शायद कहानी उसी की सूचना दे रही है। मां-बाप, परिवार, समाज, स्कूल बंद कर देते हैं, पर्दे को डाल देते हैं। ?सा डाल देते हैं कि तुम भूल ही जाते हो कि यहां द्वार है, तुम समझने लगते हो दीवार है। ध्यान का अर्थ है, इस पर्दे को हटाना। और इसे अनायास होने दो इसे कभी-कभी तुम्हें पकड़ लेने दो- और जब तुम्हें यह तरंग पकड़े, तो लाख काम छोड़कर बैठ जाना।

# शेख हसीना भारत के गले में हड्डी की तरह फंसी

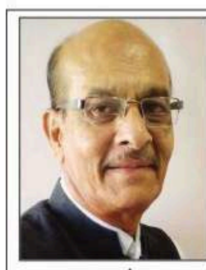

सनत जैन

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने औपचारिक रूप से शेख हसीना को बांग्लादेश वापस भेजने की मांग भारत सरकार से की है। शेख हसीना पिछले 5 महीने से भारत में हैं। बांग्लादेश में उनकी सरकार के खिलाफ तख्ता पलट हुआ था। उन्हें बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा। भारत सरकार ने सुरक्षित रूप से उन्हें बांग्लादेश से निकालकर भारत में शरण दी थी। शेख हसीना भारत में रहकर वर्तमान सरकार के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रही हैं। बांग्लादेश में हसीना के समर्थक आए दिन वहां पर सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। जिसके कारण बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। पिछले 5 महीने में भारत सरकार और बांग्लादेश सरकार के बीच में तनाव बढ़ता चला जा रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर लगातार जो हमले हो रहे हैं और मंदिरों को निशाना बना तोड़ा जा रहा है, उसमें मूल कारण शेख हसीना को भारत सरकार द्वारा शरण दिया जाना है। यही नहीं भारत में बैठकर शेख हसीना द्वारा बांग्लादेश में राजनीतिक गतिविधियों को चलाने का विरोध भी बांग्लादेश की जनता कर रही है। इसी कारण वहां की जनता हिंदुओं के खिलाफ खड़ी हो रही है। हाल ही में भारत के विदेश सचिव बांग्लादेश गए थे, लेकिन वह भी कोई सार्थक परिणाम लेकर वापस नहीं लौटे हैं। बांग्लादेश में अडानी द्वारा महंगी बिजली सप्लाई करने का समझौता किया गया है। इसमें कथित तौर पर शेख हसीना द्वारा भारी भ्रष्टाचार किया गया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अडानी का भुगतान रोक दिया है। उसके बाद से भारत सरकार और बांग्लादेश के बीच में लगातार दूरियां बढ़ती चली जा रही है। भारत सरकार और बांग्लादेश के बीच अपराधियों की अदला-बदली को लेकर पहले से ही समझौता है। इसी समझौते के तहत बांग्लादेश शेख हसीना को वापस लौटाने की मांग कर रहा है।

शेख हसीना के ऊपर हत्या, अपहरण और देशद्रोह के लगभग 225 मामले दर्ज हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत सरकार को चेतावनी दी है, कि शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंप दिया जाए। अन्यथा बांग्लादेश, भारत सरकार के साथ संबंधों को लेकर कडा रूख अख्तियार करेगा। शेख हसीना के द्वारा किया गया भ्रष्टचार और तानाशाही वाले रवैये को लेकर बांग्लादेश में उनके खिलाफ जबरदस्त गुस्सा है। आरोप तो यह भी लगा कि बांग्लादेश के चुनाव में भी उन्होंने भारी गड़बड़ी कर बहुमत हासिल किया था। जिसके कारण जनता में उनके प्रति बहुत नाराजी है। भारत सरकार शेख हसीना को भारत छोड़कर किसी अन्य देश में भेज देती, तो भारत और बांग्ला देश के संबंध इतने ज्यादा नहीं बिगड़ते। बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हमले भी नहीं होते। भारत में जो कुछ मुसलमानो के साथ हो रहा है, वैसी ही प्रतिक्रिया अब बांग्लादेश में हिंदुओं को लेकर हो रही है। इस समय अमेरिका-चीन के रडार पर भारत है। दोनों ही देश भारत को अपने पाले में बनाए रखने के लिए तरह-

तरह की पेंतरेबाजी कर रहे हैं। अमेरिका की निगाह बांग्लादेश के ऊपर है। बांग्लादेश को अमेरिका से जो ताकत मिल रही है। अकारण भारत को उसमें फसना पड़ रहा है। भारत सरकार को चाहिए कि वह शेख हसीना को किसी अन्य राष्ट्र में शरण दिलाने में उनकी मदद करे। भारत से शेख हसीना चली जाएंगी, तो बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में शेख हसीना के कारण भारत सरकार के जो रिश्ते खराब हो रहे हैं, वह सामान्य होना शुरू हो जाएंगे। सरकार को समय रहते हुए सार्थक निर्णय करने की जरूरत है।

# रोशनी, प्रेम और सद्भाव का पर्व है क्रिसमस

अतुल गोयल

'क्रिसमस' पर्व पूरी दुनिया में 25 दिसम्बर को मनाया जाने ईसाई समुदाय का सबसे बड़ा त्यौहार है। यह पर्व वास्तव में केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं है बल्कि इसका एक सांस्कृतिक नजरिया भी है। यह पर्व केवल एक दिन का उत्सव नहीं है बल्कि यह पूरे 12 दिन का पर्व है, जो क्रिसमस की पूर्व संध्या से शुरू हो जाता है। हिन्दुओं में जो महत्व दीवाली का है, मुस्लिमों में जितना महत्व ईद का है, वही महत्व ईसाईयों में क्रिसमस का है। जिस प्रकार हिन्दुओं में दीवाली पर अपने घरों को सजाने की परम्परा है, उसी प्रकार ईसाई समुदाय के लोग क्रिसमस के अवसर पर अपने घरों को सजाते हैं। इस अवसर पर शंकु आकार के विशेष प्रकार के वृक्ष 'क्रिसमस ट्री' को सजाने की तो विशेष महत्ता होती है, जिसे रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है।

मान्यता है कि करीब दो हजार वर्ष पूर्व 25 दिसम्बर को ईसा मसीह ने समस्त मानव जाति का कल्याण करने के लिए पृथ्वी पर जन्म लिया था। तब पूरे रोम में धार्मिक आडम्बर चारों ओर फैले थे, रोम शासक यहूदियों पर अत्याचार करते थे, धनाढ़य वर्ग विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत करता था जबकि गरीबों की हालत अत्यंत दयनीय थी। चारों ओर अशांति फैली थी, भाई-भाई का शत्रु बन गया था, धर्मस्थलों के पादरी अथवा पुजारी स्वार्थसिद्धि में लिप्त थे, छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, ऊंच-नीच के बीच भेदभाव की गहरी खाई बन चुकी थी। ऐसे विकट समय में पृथ्वी पर जन्म लिया था यीशु ने। ईसाई धर्म के लोग मानते हैं कि ईसा के जन्म के साथ ही समूचे विश्व में एक नए युग का शुभारंभ हुआ था, यही कारण है कि हजारों वर्ष बाद भी उनके प्रति लोगों का वही उत्साह, वही श्रद्धा बरकरार है और 25 दिसम्बर की मध्य रात्रि को गिरिजाघरों के घड़ियाल बजते ही 'हैप्पी क्रिसमस' के उद्घोष के साथ जनसैलाब उमड़ पड़ता है, लोग एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई देते हैं और आतिशबाजी भी करते हैं। इस अवसर पर लोग गिरिजाघरों के अलावा अपने घरों में भी खुशी और उल्लास से ऐसे गीत गाते हैं, जिनमें ईसा मसीह द्वारा दिए गए शांति, प्रेम एवं भाईचारे के संदेश की महत्ता स्पष्ट परिलक्षित होती है।

जिन ईसा मसीह की स्मृति में लोग क्रिसमस का त्यौहार मनाते हैं, उनका जन्म अत्यंत विकट परिस्थितियों में हुआ था। दिसम्बर के महीने की हाड़ कंपा देने वाली कड़ाके की ठंड में इसराइल के येरूसलम से 8 किलोमीटर दूर बेथलेहम नामक एक छोटे से गांव में आधी रात के वक्त खुले आसमान तले एक अस्तबल में एक गरीब यहूदी यूसुफ की पत्नी मरियम की कोख से जन्मे थे यीशु, जिनके जन्म की सूचना सबसे पहले हेरोद जैसे क्रूर सम्राट को नहीं बल्कि गरीब चरवाहों को मिली थी। माना जाता है कि ये चरवाहे उसी क्षेत्र में अपनी भेड़ों के झुंड के साथ रहा करते थे और जिस रात ईसा ने धरती पर जन्म लिया, उस समय ये लोग खेतों में भेड़ों के झुंड की रखवाली करते हुए आग ताप रहे थे। कहा जाता है कि मरियम जब गर्भवती थी तो एक रात गैबरियल नामक एक देवदूत मरियम के सामने प्रकट हुआ, जिसने मरियम को बताया कि उन्हें ईश्वर के बेटे की मां बनने के लिए चुना गया है। उन दिनों जनगणना का कार्य चल रहा था और तब यह प्रथा थी कि जनगणना के समय पूरा परिवार अपने पूर्वजों के नगर में एकत्रित होता था और वहीं परिवार के सभी सदस्यों का नाम रजिस्टर में दर्ज कराता था।

यूसुफ दाऊद के कुटुम्ब तथा देश का था, इसलिए गर्भवती मरियम को साथ लेकर वह भी नाम लिखवाने अपने पूर्वजों की भूमि बेथलेहम पहुंचा। जनगणना की वजह से बेथलेहम में उस समय बहुत भीड़ थी। वहां पहुंचकर युसूफ ने एक सराय के मालिक से रूकने के लिए जगह मांगी लेकिन सराय में बहुत भीड़ होने के कारण उन्हें जगह नहीं मिली। मरियम को गर्भवती देख सराय के मालिक को उस पर दया आई और उसने उन्हें घोड़ों के अस्तबल में ठहरा दिया। वहीं आधी रात के समय मरियम ने एक अति तेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिसका 7 दिन बाद नामकरण संस्कार हुआ। बालक का नाम रखा गया 'जीजस', जिसे यीशु के नाम से भी जाना गया। यहूदियों के इस देश में उस समय रोमन सम्राट हेरोद का शासन था, जो बहुत पापी और अत्याचारी था। हेरोद को जीजस के जन्म की सूचना मिली तो वह बहुत घबराया क्योंकि भविष्यवक्ताओं ने भविष्यवाणी की थी कि यहूदियों का राजा इसी वर्ष पैदा होगा और उसके बाद हेरोद राजा नहीं रह सकेगा। हेरोद ने जीजस की खोज में अपने सैनिकों की टुकड़ियां भेजी लेकिन वे जीजस के बारे में कुछ पता नहीं लगा सके।

घोर गरीबी के कारण जीजस की पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था तो नहीं हो पाई पर उन्हें बाल्यकाल से ही ज्ञान प्राप्त था। गरीबों, दुखियों व रोगियों की सेवा करना उन्हें बहुत अच्छा लगता था। इतना ही नहीं, बड़े-बड़े धार्मिक नेता भी उनके सवाल-जवाबों से अक्सर चकित हो जाते थे। उन दिनों लोग मूर्तिपूजा किया करते थे और सर्वत्र धर्म के नाम पर आडम्बर फैला था। यीशु ने मूर्तिपूजा के स्थान पर एक निराकार ईश्वर की पूजा का मार्ग लोगों को बताया और उन्हें अपने हृदय में आविर्भूत ईश्वरीय ज्ञान का संदेश सुनाया। उनके उपदेशों से प्रभावित होकर उनके शिष्यों की संख्या दिनोंदिन बढ़ने लगी तथा उनकी दयालुता और परोपकारिता की प्रशंसा सर्वत्र फैल गई, जिससे यहूदियों के पुजारी और धर्म गुरू उनके घोर शत्रु बन गए।

एक बार यीशु प्रार्थना कर रहे थे तो उन्हें अपना शत्रु मान चुके यहूदियों के पुजारी व धर्मगुरू उनको पकड़कर ले गए। जब उन्हें न्यायालय में उपस्थित किया गया तो न्यायाधीश ने राजा और धर्मगुरूओं के दबाव में यीशु को प्राणदंड की सजा सुना दी। यहूदियों ने यीशु को कांटों का ताज पहनाया और फटे कपड़े पहनाकर कोड़े मारते हुए उन्हें पूरे नगर में घुमाया। फिर उनके हाथ-पांवों में कीलें ठोंककर उन्हें 'क्रॉस' पर लटका दिया गया लेकिन यह यीशु की महानता ही थी कि इतनी भीषण यातनाएं झेलने के बाद भी उन्होंने ईश्वर से उन लोगों के लिए क्षमायाचना ही की। सूली पर लटके हुए भी उनके मुंह से यही शब्द निकले, 'हे ईश्वर! इन लोगों को माफ करना क्योंकि इन्हें नहीं पता कि ये क्या कर रहे हैं? ये अज्ञानवश ही ऐसा कर रहे हैं।' उसके बाद से ही ईसाई समुदाय द्वारा 25 दिसम्बर अर्थात ईसा मसीह के जन्मदिवस को क्रिसमस के रूप में मनाया जाने लगा।

(लेखक न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंजीनियर हैं)

**क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है.**

# क्रिसमस पर्व की खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है क्रिसमस

**कहते हैं कि यीशु का जन्म 25 दिसंबर 6 ईसा पूर्व हुआ था। इसीलिए हर वर्ष 25 दिसंबर को जीसस क्राइस्ट के जन्म दिवस को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। आओ जानते हैं इस त्योहार की 15 खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है यह फेस्टिवल।**

- **गोशाला** : क्रिसमस के दिन चर्च में ईसा के जन्म की झांकी बनाई जाती है जिसमें गौशाला बनाकर उसमें बालक येशु को मदर मैरी के साथ दर्शाया जाता है।
- **क्रिसमस ट्री** : सदाबहार क्रिसमस वृक्ष डगलस, बालसम या फर का पौधा होता है जिस पर सजावट की जाती है। क्रिसमस ट्री को रिबन, गिफ्ट, घंटी और लाइट्स लगाकर सजाया जाता है।
- **सैंटा क्लॉज** : मान्यता अनुसार सैंटा क्रिसमस के दिन स्वर्ग से आकर बच्चों के लिए टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटकर वापस स्वर्ग में चले जाते हैं। सैंटा क्लॉज चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर में जन्मे थे। उनका नाम निकोलस था। अब लोग उन्हीं के भेष में बच्चों को गिफ्ट देते हैं।
- **गिफ्ट देना** : परंपरा से अब सिर्फ सांता ही उपहार नहीं देते हैं बल्कि क्रिसमय पर लोग एक दूसरे को उपहार देते हैं। कई लोग सैंटा का भेष धारण करके बच्चों को टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटते हैं।
- **जिंगल बेल** : गिरजाघरों में पारंपरिक तरीके से ईसा मसीह के लिए गाए जा रहे भक्ति गीत के अलावा 'जिंगल बेल्स', 'ओह होली नाइट' और 'सैंटा क्लॉज इज कमिंग टु टाउन' सरीखे गानों से भी माहौल खुशनुमा हो जाता है।
- **क्रिसमस कार्ड** : कहते हैं कि सर्वप्रथम क्रिसमस कार्ड विलियम एंगले द्वारा सन्? 1842 में अपने दोस्तों को भेजा था। बाद में यह कार्ड महारानी विक्टोरिया को दिखाया गया। इससे खुश होकर उन्होंने अपने चित्रकार डोबसन को बुलाकर शाही क्रिसमस कार्ड बनवाने के लिए कहा और तब से क्रिसमस कार्ड की शुरुआत हो गई।
- **स्वादिष्ट पकवान** : कई पश्चिम देशों में स्मोक्ड टर्की, फ्रुअ केक, विगिल्ला, जेली पुडिंग, टुररॉन आदि को बनाना पसंद किया जाता है। भारत में भी कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं। क्रिसमस पर हर देश में अलग परम्परागत भोजन भी बनता है। कुछ लोग दूध और कुकीज के रुप में सैंटा के लिये भोजन रखते हैं।
- **क्रिसमय पुडिंग** : पुडिंग बनाने की परंपरा 1970 में प्रारंभ हुई। यह आलू बुखारे से दलिया जैसा व्यंजन बनाया जाता है। बाद में मांस, शराब और रोटी मिलाकर पुडिंग बनाने की परंपरा प्रारंभ हुई।
- **रिंगिंग बेल्स** : क्रिसमस के दिन घंटी को बजाने का भी रिवाज है जिसे रिंगिंग बेल कते हैं। यह बेल सदियों में सूर्य के लिए भी बजाई जाती है और खुशियों के लिए भी। मान्यता है कि घर को घंटियों से सजाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।
- **प्रार्थना** : इस दिन चर्च में विशेष तौर पर सामूहिक प्रार्थना भी की जाती है। इस दिन लोग चर्च जाते हैं और क्रिसमस कैरोल (धार्मिक गीत) गाते हैं।
- **मोजे लटकाना** : संत निकोलस के काल में बच्चे मौजे लटका देते थे ताकि सैंटा उसमें टॉफियां या तोहफे रख सके। हलांकि आज भी कई जगहों पर यह किया जाता है ताकि सैंटा क्लॉज आ सकें और उनमें अपने उपहार डाल सकें।
- **नए वस्त्र** : इस दिन लाल और हरे रंग का अत्यधिक उपयोग होता है क्योंकि लाल रंग जामुन का होता है और यह ईसा मसीह के खून का प्रतीक भी है। इसमें हरा रंग सदाबहार परंपरा का प्रतीक है।
- **पिकनिक** : क्रिसमय की 10 दिन की छुट्टियों के दौरान लोग या तो अपने पैत्रक घर, नाना नानी या दादा दादी के घर जाकर क्रिसमय मनाते हैं। कुछ लोग समुद्र के तट पर जाकर क्रिसमस का आनंद लेते हैं।
- **मोमबत्तियां** : क्रिसमय पर गिरजाघरों में जाकर लोग ईसा मसीह और मदर मैरी की मूर्ति के समक्ष मोमबत्तियां जलाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं। मान्यता है कि अलग-अलग रंगों की मोमबत्तियां जलाने से जीवन में खुशियां और सफलता आती हैं।
- **केक** : ईसा मसीह के जन्मदिन पर खुशियां बांटने के लिए केक खाया जाता है और लोगों को बांटा जाता है।

# अनेक बाधाओं से जूझने के बाद मिली क्रिसमस को मान्यता

सामान्यतः 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस माना जाता है और उसी रूप में क्रिसमस का आयोजन होता है परंतु प्रारंभ में स्वयं धर्माधिकारी भी इस रूप में इस दिन को मान्यता देने के लिए तैयार नहीं थे। यह वास्तव में रोमन जाति के एक त्योहार का दिन था, जिसमें सूर्यदेवता की आराधना की जाती थी। यह माना जाता था कि इसी दिन सूर्य का जन्म हुआ। उन दिनों सूर्य उपासना रोमन सम्राटों का राजकीय धर्म हुआ करता था। बाद में जब ईसाई धर्म का प्रचार हुआ तो कुछ लोग ईसा को सूर्य का अवतार मानकर इसी दिन उनका भी पूजन करने लगे मगर इसे उन दिनों मान्यता नहीं मिल पाई। प्रारंभ में तो ईसाइयों में इस प्रकार के किसी पर्व का सार्वजनिक आयोजन होता ही नहीं था। चौथी शताब्दी में उपासना पद्धति पर चर्चा शुरू हुई और पुरानी लिखित सामग्री के आधार पर उसे तैयार किया गया। 360 ईस्वी के आसपास रोम के एक चर्च में ईसा मसीह के जन्मदिवस पर प्रथम समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्वयं पोप ने भी भाग लिया मगर इसके बाद भी समारोह की तारीख के बारे में मतभेद बने रहे। यहूदी धर्मावलंबी गड़रियों में प्राचीनकाल से ही 8 दिवसीय बसंतकालीन उत्सव मनाने की परंपरा थी। ईसाई धर्म के प्रचार के बाद इस उत्सव में गड़रिए अपने जानवरों के पहले बच्चे की ईसा के नाम पर बलि देने लगे और उन्हीं के नाम पर भोज का आयोजन करने लगे मगर यह समारोह केवल गड़रियों तक सीमित था। उन दिनों कुछ अन्य समारोह भी आयोजित किए जाते थे, जिनकी अवधि 30 नवंबर से 2 फरवरी के बीच में होती थी। जैसे नोर्समैन जाति का यूल पर्व और रोमन लोगों का सेटरनोलिया पर्व, जिसमें नौकरों को मालिक के रूप में आचरण करने की पूरी छूट होती थी। इन उत्सवों का ईसाई धर्म से उस समय तक कोई संबंध नहीं था। तीसरी शताब्दी में ईसा मसीह के जन्मदिन का समारोह करने पर गंभीरता से विचार किया जाने लगा मगर अधिकांश धर्माधिकारियों ने उस समय उस चर्चा में भाग लेने से ही मना कर दिया। फिर भी ईसाई धर्मावलंबियों में विचार-विमर्श हुआ और यह तय किया गया कि बसंत ऋतु का ही कोई दिन इस समारोह के लिए तय किया जाए।

तदनुसार इसके लिए पहले 28 मार्च और फिर 19 अप्रैल के दिन निर्धारित किए गए। बाद में इसे भी बदलकर 20 मई कर दिया गया। इस संदर्भ में 8 और 18 नवंबर की तारीखों के भी प्रस्ताव आए। लंबी बहस और विचार-विमर्श के बाद चौथी शताब्दी में रोमन चर्च तथा सरकार ने संयुक्त रूप से 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस घोषित कर दिया। इसके बावजूद इसे प्रचलन में आने में लंबा समय लगा। इससे पूर्व मनाए जाने वाले अन्य जातियों के उत्सव इनके साथ घुले-मिले रहे और बाद में भी उनके कुछ अंश क्रिसमस के पर्व में स्थायी रूप से जुड़ गए। ईसा की जन्मभूमि यरुशलम में इस तारीख को पांचवीं शताब्दी के मध्य में स्वीकार किया गया। इसके बाद भी क्रिसमस दिवस की यात्रा सहज नहीं रही। विरोध और अंतर्विरोध चलते रहे। 13वीं शताब्दी में जब प्रोटस्टेंट आंदोलन शुरू हुआ तो इस पर्व पर पुनः आलोचनात्मक दृष्टि डाली गई और यह महसूस किया गया कि उस पर पुराने पैगन धर्म का काफी प्रभाव शेष है। इसलिए क्रिसमस केरोल जैसे भक्ति गीतों के गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और 25 दिसंबर 1644 को इंग्लैंड में एक नया कानून बना, जिसके अंतर्गत 25 दिसंबर को उपवास दिवस घोषित कर दिया गया। क्रिसमस विरोधी यह आंदोलन अन्य देशों में भी फैला। अमेरिका में भी इसका प्रभाव हुआ। बोस्टन में तो 1690 में क्रिसमस के त्योहार को प्रतिबंधित ही कर दिया गया। 1836 में अमेरिका में क्रिसमस को कानूनी मान्यता मिली और 25 दिसंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया। इससे विश्व के अन्य देशों में भी इस पर्व को बल मिला।

योरप के विभिन्न भागों में हंसी-खुशी के विभिन्न अवसरों पर वृक्षों को सजाने की प्राचीन परंपरा थी। जर्मनी में 24 दिसंबर को एक पर्व मनाया जाता था और उसी दिन एक रहस्यात्मक नाटक भी खेला जाता था- 'अदन का वृक्ष'। संभव है इन परंपराओं ने क्रिसमस वृक्ष की विचारधारा को जन्म दिया हो। इस विचारधारा के साथ बाद में अनेक दंतकथाएं भी जुड़ गईं। 1821 में इंग्लैंड की महारानी ने एक 'क्रिसमस वृक्ष' बनवाकर बच्चों के साथ समारोह का आनंद उठाया था। उन्होंने ही इस वृक्ष में एक देव प्रतिमा रखने की परंपरा को जन्म दिया। बधाई के लिए पहला क्रिसमस कार्ड लंदन में 1844 में तैयार हुआ और उसके बाद क्रिसमस कार्ड देने की प्रथा 1870 तक संपूर्ण विश्व में फैल गई। जहां तक सान्ता क्लॉज का संबंध है, इसकी परंपरा क्रिसमस के साथ काफी बाद में जुड़ी। मध्ययुग में संत निकोलस (जन्म 340 ईस्वी) का जन्म दिवस 6 दिसंबर को मनाया जाता था और यह मान्यता थी कि इस रात्रि को संत निकोलस बच्चों के लिए तरह-तरह के उपहार लेकर आते हैं। यही संत निकोलस अमेरिकी बच्चों के लिए 'सान्ता क्लॉज' बन गए और वहां से यह नाम संपूर्ण विश्व में लोकप्रिय हो गया। आज विश्व के लगभग 100 देशों में क्रिसमस का त्योहार बड़े उल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाता है। अनेक देशों में इस दिन राजकीय अवकाश घोषित किया जाता है तथा सभी ईसाईजन बड़े आमोद-प्रमोद और तरह-तरह के पकवानों के साथ उत्सव का आयोजन करते हैं! इस मंजिल तक पहुंचने में इस पर्व को लंबा समय लगा है और उसे अनेक बाधाओं से जूझना पड़ा है। पिछली लगभग डेढ़ शताब्दी से ही क्रिसमस का पर्व अपने वर्तमान रूप में निर्विघ्न आयोजित होने लगा है।बदलते समय के साथ दिन-प्रतिदिन इसका चलन और ज्यादा बढ़ गया है।

# क्रिसमस की ये हैं सदाबहार पवित्र चीजें

होली (शूलपर्णी), मिसलटो (वांदा), लबलब (आइव) यह कुछ सदाबहार चीजें हैं, जिन्हें पवित्र माना जाता है। इन सभी का अपना एक अलग अर्थ है।

होली माला - परंपरागत रूप से होली माला घरों तथा गिरजाघरों में लटकाई जाती है। इसे सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। भारत में इन होली मालाओं में मोमबतियां लगाई जाती हैं।

मिसलटो - आम तौर पर यह बेर के आकार की सफेद रचनाएं होती हैं जो सेबफल के वृक्षों की शाखाओं पर पाई जाती हैं। इसका सर्वाधिक प्रचलित और लोकप्रिय अर्थ यह है कि इसके नीचे खड़ा रहने वाला किसी का भी चुंबन ले सकता है।

परंपरागत रूप से यह माना जाता है कि मिसलटो के नीचे मिलने वाले दो मित्रों पर भाग्य हमेशा मुस्कुराता रहता है और यदि दो दुश्मन इसके नीचे मिल जाएं तो दुश्मनी दोस्ती में बदल जाती है यानि कि यह मित्रता और प्रेम का प्रतीक है।

आइव - यह मित्रता का प्रतीक है। ऐसा प्रेम जो स्थायी तथा अटूट होता है।

संत निकोलस (सांता क्लॉज) - सांता क्लाज शब्द की उत्पत्ति डच सिंटर क्लाज से हुई है। यह संत निकोलस का लोकप्रिय नाम है। दिलचस्प बात तो यह है कि संत निकोलस की कहानी का येसु के जन्मोत्सव से कोई लेना-देना नहीं है। निकोलस पर्व 6 दिसंबर को मनाया जाता है तथा इस दिन परंपरानुसार बच्चों को फलों तथा मिठाइयों के तोहफे दिए जाते हैं।

ऐसी धारणा है कि संत निकोलस एक ईसाई पादरी थे जो एशिया माइनर में कोई डेढ़ हजार साल पहले रहते थे। वे बहुत उदार तथा दयालु थे तथा हमेशा जरूरतमंदों की सहायता करते रहते थे।

बच्चों से उनके संबंधों के बारे में एक किंवदंती प्रचलित है कि एक बार वे ऐसे मकान में ठहरे थे, जहां तीन बच्चों की हत्याएं कर उनके शवों को अचार की बरनियों में छिपा दिया गया था। संत निकोलस ने चमत्कार द्वारा उन बच्चों को जीवित कर दिया। तभी से उन्हें बच्चों का संत कहा जाने लगा। एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरुरतमंद बच्चों को चाकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

# क्रिसमस को बड़ा दिन क्यों कहा जाता है?

भारतीय संस्कृति को परंपराओं का संगम कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। सभी त्योहारों की तरह क्रिसमस यानी बड़े दिन का त्यौहार पूरे विश्व की तरह भारत भर में मनाया जाता है, मगर क्या कभी आपने सोंचा है भारत में क्रिसमस को बडे दिन के नाम से क्यों पूकारा जाता है। वैसे तो क्रिसमस को प्रभु ईसा मसीह या यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाता है। भारत में क्रिसमस को बड़ा दिन कहने के पीछे कई अलग अलग मान्यताएं प्रचलित है कहा जाता है।पहले इसे रोमन उत्सव के रूप में मनाया जाता था इस दिन लोग एक दूसरे को ढेर सारे उपहार देते थे। जब धीरे-धीरे ईसाई सभ्यता पनपने लगी तब भारत में यह दिन मकर संक्रान्ति के रूप में मनाया जाने लगा। इसके अलावा बड़े दिन के पीछे प्रभू ईसा के जन्म से जुड़ी कई कथाएं भी प्रचलित हैं। 25 दिसंबर यीशु मसीह के जन्म की कोई ज्ञात वास्तविक जन्म तिथि नहीं है। एन्नो डोमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, 7 से 2 ईपू. के बीच हुआ था भारत में इस तिथि को एक रोमन पर्व यामकर संक्रांति से संबंध स्थापित करने के आधार पर चुना गया है जिसकी वजह से इसे बड़े दिन के नाम से मनाया जाने लगा। वैसे तो पूरी दुनिया में इसे इसे 25 दिसंबर को मनाया जाता है मगर जर्मनी में 24 दिसंबर को ही इससे जुडे समारोह शुरू हो जाते हैं। क्रिसमस के दिन संता क्लॉज का भी अपना अलग महत्व है, कहते हैं इस दिन सांता क्लॉज बच्चों के लिए ढेर सारे खिलौने और चॉकलेट लाते है। सांता क्लॉज को क्रिसमस का पिता भी कहा जाता है जो केवल क्रिसमस वाले दिन ही आते हैं। क्रिसमस का एक और दिलचस्प पहलू यह है कि ईसा मसीह के जन्म की कहानी का संता क्लॉज की कहानी के साथ कोई संबंध नहीं है, कहते हैं तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप संत निकोलस के नाम पर सांता क्लॉज का चलन करीब चौथी सदी में शुरू हुआ वे गरीब और बेसहारा बच्चों को तोहफे दिया करते थे। चाहे क्रिसमस कहें या फिर बड़ा दिन कुल मिलाकर इस दिन चारों ओर खुशियां ही खुशियां दिखाई देती है, लोग अपने घरों को सजाते है, गिरजाघरों में प्राथनाएं होती है। अब क्रिसमस को आने में कुछ ही दिन बचें है बाजारों में क्रिसमस गिफ्ट, कार्ड, प्रभु ईशु की चित्राकृतियाँ, सांता क्लॉज की टोपी, सजावटी सामग्री और केक मिलने भी शुरू हो गए है।

# क्रिसमस ट्री कैसे बना ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक

क्रिसमस ट्री/वृक्ष- सदाबहार झाड़ियों तथा वृक्षों को ईसा युग से पूर्व भी पवित्र माना जाता रहा है। इसका मूल आधार यह रहा है कि फर वृक्ष की तरह के सदाबहार वृक्ष बर्फीली सर्दियों में भी हरे-भरे रहते हैं। इसी धारणा के आधार पर रोमनवासियों ने सर्दियों के भव्य भगवान सूर्य के सम्मान में मनाए जाने वाले सैटर्नेलिया पर्व में चीड़ के वृक्षों को सजाने की परंपरा आरंभ की थी। क्रिसमस के परिप्रेक्ष्य में सदाबहार फर का प्रतीक ईसाई संत बोनिफेस द्वारा ईजाद किया गया था। जर्मनी में यात्राएं करते हुए वे एक ओक वृक्ष के नीचे विश्राम कर रहे थे, जहां गैर ईसाई ईश्वरों की संतुष्टि के लिए लोगों की बलि दी जाती थी। संत बोनिफेस ने वह वृक्ष काट डाला और उसके स्थान पर फर का वृक्ष लगाया। तभी से अपने धार्मिक संदेशों के लिए संत बोनिफेस फर के प्रतीक का प्रयोग करने लगे थे। इसके बारे में एक जर्मन किंवदंती यह भी है कि जब नवजात शिशु के रूप में येसु का जन्म हुआ वहां चर रहे पशुओं ने उन्हें प्रणाम किया और देखते ही देखते जंगल के सारे वृक्ष सदाबहार हरी पत्तियों से लद गए। बस, तभी से क्रिसमस ट्री को ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक माना जाने लगा।

एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरूरतमंद बच्चों को चॉकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

## तमन्ना भाटिया की ओडेला 2 का नया पोस्टर जारी, खतरनाक अंदाज में नजर आईं तमन्ना

तमन्ना भाटिया वर्तमान में ओडेला 2 में अभिनय कर रही हैं, जो 2021 की हिट ओडेला रेलवे स्टेशन की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी है। अशोक तेजा द्वारा निर्देशित, फिल्म ने पहले ही महत्वपूर्ण रुचि जगा दी है। तमन्ना ने नागा साधु की भूमिका निभाई है, एक ऐसा किरदार जिसने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाया हुआ है। इसी बीच तमन्ना के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म से उनका खतरनाक लुक जारी कर दिया गया है।

### ओडेला 2 से तमन्ना का लुक जारी

तमन्ना भाटिया को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए, ओडेला 2 के निर्माताओं ने एक नए पोस्टर का अनावरण किया, जिसमें अभिनेत्री को एक खतरनाक नागा साधु अवतार में दिखाया गया है। पोस्टर में उन्हें खोपड़ियों के एक मैदान में साहसपूर्वक चलते हुए दिखाया गया है, जिसके ऊपर उड़ते हुए गिद्ध एक तनावपूर्ण माहौल बना रहे हैं।

### खतरनाक अंदाज में नजर आई तमन्ना

यह पोस्टर फिल्म में उनके किरदार की गहन और शक्तिशाली प्रकृति का संकेत देता है। तमन्ना भाटिया ने अपनी भूमिका के लिए कठोर प्रशिक्षण लिया है, जिसमें दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाले लुभावने स्टंट को परफेक्ट करने के लिए व्यापक रिहर्सल भी शामिल हैं। ओडेला 2 एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव का वादा करती है, जो तमन्ना द्वारा चित्रित अच्छाई और वशिष्ठ द्वारा चित्रित बुराई के बीच तीव्र टकराव पर केंद्रित है।

### ओडेला 2 की कहानी, निर्माण

फिल्म की कहानी एक गांव के आसपास केंद्रित है, और कैसे इसके सच्चे रक्षक ओडेला मल्लन्ना स्वामी हमेशा अपने गांव को बुरी ताकतों से बचाते हैं। फिल्म के लिए संगीत अजनीश लोकनाथ द्वारा तैयार किया गया है, जो कंतारा में अपने काम के लिए मशहूर हैं। छायांकन प्रतिभाशाली साउंडराजन एस द्वारा किया जा रहा है। कला निर्देशन राजीव नायर के नेतृत्व में है। ऐसी कुशल और गतिशील तकनीकी टीम के साथ, ओडेला 2 एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव का वादा करती है।

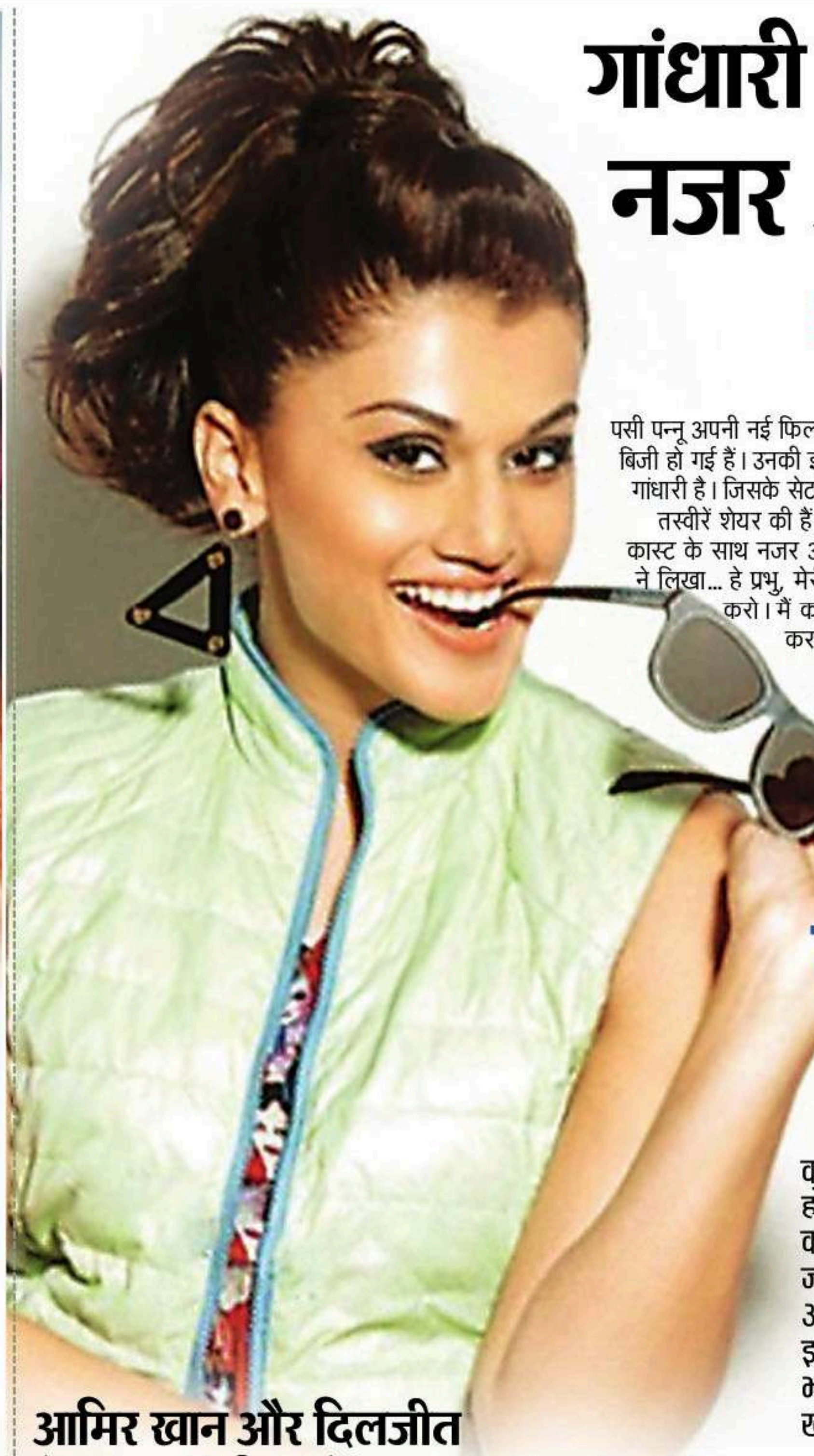

## गांधारी में एक्शन करती नजर आएंगी तापसी शूटिंग हुई शुरू

पसी पन्नू अपनी नई फिल्म की शूटिंग में ता बिजी हो गई हैं। उनकी इस फिल्म का नाम गांधारी है। जिसके सेट से एक्ट्रेस ने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें वह स्टार कास्ट के साथ नजर आ रही हैं। तापसी ने लिखा... हे प्रभु, मेरी प्रार्थना स्वीकार करो। मैं कभी भी अच्छे कर्म करने से विमुख न हो जाऊं। युद्ध में जाते समय मुझे शत्रुओं का भय न रहे और मैं दृढ़ निश्चय के साथ विजय हो जाऊं। मैं अपने मन को केवल आपके गुणगान करने की शिक्षा दूं। जब समय आए तो युद्ध के मैदान में वीरतापूर्वक लड़ते हुए मर जाऊं। इसका निर्देशन कनिका ढिल्लों कर रही हैं। यह कनिका और तापसी के बीच छठी साझेदारी है। गांधारी में तापसी काली बनकर दुष्टों का संहार करते दिखेंगी। वह फिल्म में एक मां की भूमिका में नजर आएंगी। नाम शबाना और बेबी वह फिर एक्शन करेंगी।

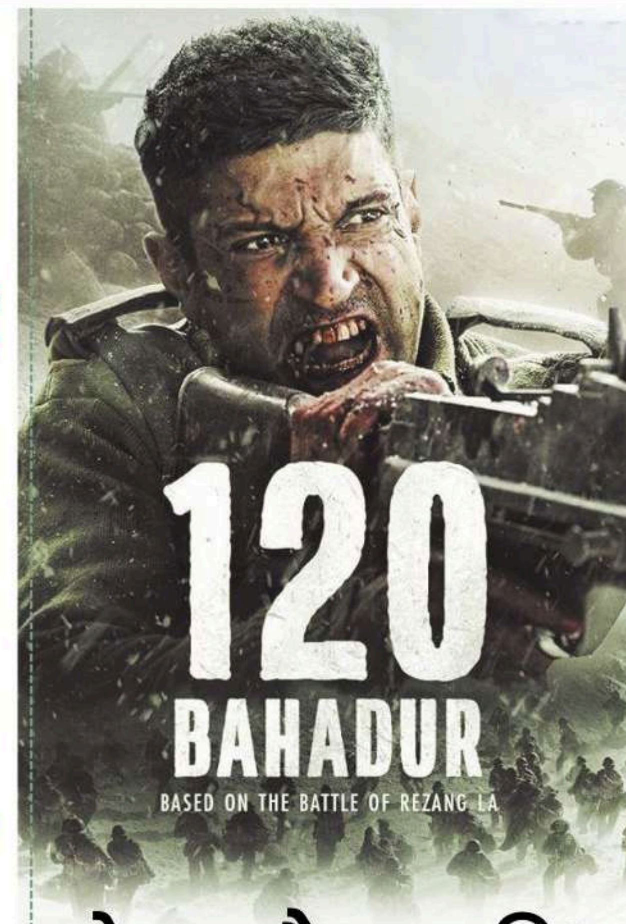


## मेजर शैतान सिंह बन दुश्मनों से लड़ते दिखेंगे फरहान अख्तर

बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर इन दिनों कई फिल्मों के निर्माण को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बीच वे 120 बहादुर को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं, जिसमें वे खुद अभिनय करते नजर आएंगे। कुछ समय पहले फिल्म का पहला पोस्टर जारी हुआ था। फिल्म को लेकर प्रशंसक भी काफी उत्साहित हैं। वहीं, अब आखिरकार फिल्म की रिलीज की तारीख का भी एलान हो गया है।

### इस दिन रिलीज होगी फिल्म

रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अमित चंद्रा के ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज के साथ मिलकर 120 बहादुर की रिलीज की तारीख की घोषणा की है, जो 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म मेजर शैतान सिंह भाटी पीवीसी और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों को श्रद्धांजलि है। 1962 के भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित 120 बहादुर रेजांगला युद्ध की कहानी दिखाएगी, जहां बहादुरी और बलिदान ने इतिहास रच दिया था।

### फिल्म में फरहान अख्तर का किरदार

फिल्म की पहली घोषणा के बाद से ही फैंस के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है, जिसे इसके दमदार फर्स्ट लुक और मोशन पोस्टरों ने और भी बढ़ा दिया है। फरहान अख्तर कई तरह के मजबूत और प्रेरक किरदार निभाने के लिए मशहूर हैं। अब वह मेजर शैतान सिंह भाटी पीवीसी की भूमिका निभा रहे हैं। वह फिल्म में मेजर के साहस और नेतृत्व की कहानी बताएंगे।

### फिल्म का दमदार पोस्टर

रजनीश रजी घई द्वारा निर्देशित और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित 120 बहादुर का उद्देश्य भारत के सैन्य नायकों की अटूट बहादुरी को श्रद्धांजलि देना है। फिल्म के पोस्टर में फरहान अख्तर हाथों में बंदूक थामे दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। फरहान अख्तर इस फिल्म के निर्माता भी हैं। वे रितेश सिधवानी और अमित चंद्रा के साथ मिलकर इस फिल्म को बना रहे हैं।

## बॉलीवुड में बदलाव चाहते हैं वरुण धवन

**वरुण धवन को बॉलीवुड में आए एक दशक से ज्यादा हो गया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेता ने कहा कि बॉलीवुड को नए सिरे से बदलाव की सख्त जरूरत है। उन्होंने अपनी चिंताएं व्यक्त कीं और आश्चर्य जताया कि क्या सत्ता में बैठे लोग वास्तव में इस जरूरत को समझते हैं। साक्षात्कार में उन्होंने यह भी कहा कि सुपरस्टार शाहरुख खान और सलमान खान समझ गए हैं कि चीजें कैसे बदल गई हैं।**

### इंडस्ट्री में नए लोगों की जरूरत

वरुण ने बॉलीवुड के परिदृश्य के बारे में बात की और इस क्षेत्र में और अधिक आवाजों के आने की जरूरत के बारे में बात की। उन्होंने साझा किया कि सत्ता में बैठे लोगों को खुद को फिर से तलाशने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हम सभी को आगे बढ़ना होगा। जो लोग अभी शक्तिशाली पदों पर हैं, उनकी एक आयु सीमा होती है, जो लोग सालों से एक ही काम कर रहे हैं। वे केवल शीर्ष पर हैं।

### सभी बड़े सितारों को बदलाव की जरूरत

उन्होंने आगे कहा, मुझे यकीन नहीं है कि वे इसे पहचानते हैं या नहीं, लेकिन समय के साथ बदलाव करना महत्वपूर्ण है। हम सभी को ऐसा करना होगा, जिसमें मैं भी शामिल हूं। यह मुश्किल है, क्योंकि आप बदलाव नहीं चाहते हैं। आने वाले सितारे या जो अभी भी महत्वाकांक्षी हैं, उनके पास ये मंडलियां हैं, लेकिन जो पहले से ही उस मुकाम पर हैं, उनके आस-पास ये लोग नहीं हैं। शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान जैसे सितारे, वे भ्रमित नहीं हैं। वे जानते हैं कि क्या हो रहा है।

### इंडस्ट्री में प्रवेश करना मुश्किल

वरुण को लगता है कि इंडस्ट्री में अलग-अलग और नई प्रतिभाओं की जरूरत है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि आजकल ऐसा क्यों नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश करना थोड़ा कठिन हो गया है, क्योंकि लोगों के पास तलाशने और यह तय करने के लिए कई विकल्प हैं कि वे अभिनेता बनना चाहते हैं या प्रभावशाली व्यक्ति या ओटीटी का रास्ता अपनाना चाहते हैं। वहीं, वरुण धवन अगली बार बेबी जॉन में नजर आएंगे, जो 25 दिसंबर को रिलीज होगी।

## आमिर खान और दिलजीत के साथ बॉलीवुड डेब्यू करना चाहती है अहसास चन्ना

अहसास चन्ना, जिन्होंने एक बाल कलाकार के रूप में अभिनय की दुनिया में कदम रखा उन्होंने वेब सीरीज और शॉर्ट फिल्मों में शानदार अभिनय करते हुए लोगों का दिल जीता है। हाल ही में अभिनेत्री ने आमिर खान और दिलजीत दोसांझ के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने की इच्छा जाहिर की है। अभिनय से ब्रेक लेने के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उनका कभी भी इंडस्ट्री से गायब होने का इरादा नहीं था। एक बातचीत में उन्होंने फिल्म निर्माता इम्तियाज अली या करण जौहर के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने की इच्छा जताई। अभिनेत्री ने कहा, मैं आमिर खान के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना चाहती हूं, मैं उन्हें एक अभिनेता के रूप में वास्तव में पसंद करती हूं।

## ऋत्विक धनजानी की जिंदगी में हुई प्यार की एंट्री?

झऋत्विक धनजानी टीवी के जाने माने अभिनेता हैं और अपनी होस्टिंग को लेकर चर्चा में रहते हैं। ऋत्विक धनजानी और आशा नेगी की जोड़ी दर्शकों के बीच काफी फेमस थी। हालांकि, कुछ समय के बाद दोनों का रिश्ता खत्म हो गया था। अब फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है, ऐसा लगता है कि ऋत्विक धनजानी के जिंदगी में अब प्यार की एंट्री हो गई है। अभिनेता ने क्रिस्टल डिसूजा के साथ अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कई तस्वीरें साझा की है। फैंस को लगता है कि अभिनेता अब क्रिस्टल डिसूजा को डेट कर रहे हैं।

## वामिका के बाद अक्षय की भूत बंगला में हुई तब्बू की एंट्री?

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी बहुचर्चित हॉरर-कॉमेडी फिल्म को लेकर कमर कस चुके हैं। फिल्म की शूटिंग लगातार जाती है। जानिए इस फिल्म में अक्षय के अपोजिट कौन सी अभिनेत्री नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक प्रियदर्शन की आगामी फिल्म भूत बंगला में अक्षय कुमार संग तब्बू को जोड़ी नजर आ सकती है। अगर ऐसा होता है तो तब्बू करीब 13 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के साथ इस फिल्म में काम करेंगी। इससे पहले दोनों ने साल 2000 में एक साथ फिल्म हेरा फेरी में काम किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हॉरर-कॉमेडी फिल्म में तब्बू महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आएंगी। तब्बू को फिल्म में उनका किरदार और स्क्रिप्ट दोनों काफी पसंद आए हैं। तब्बू इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। भूत बंगला 2026 को रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी नजर आएंगे। फिल्म भूत बंगला की शूटिंग लगातार जारी है। हो सकता है कि फिल्म की शूटिंग अप्रैल, 2025 तक खत्म हो जाएगी। फिल्म भूत बंगला की शूटिंग को लेकर अक्षय कुमार ने पहले सूचना दी थी। इसके साथ ही अक्षय ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया था। अक्षय ने फिल्म के पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीड डेट 2 अप्रैल, 2026 का खुलासा भी किया था। भूत बंगला के दो पोस्टर अभी तक सामने आ चुके हैं। भूत बंगला के दूसरे पोस्टर में अक्षय गेट किपर की तरह हाथ में लालटेन थामे नजर आए। तो वहीं फिल्म के पहले पोस्टर में अक्षय ब्लू सूट-व्हाइट शर्ट और रेड टाई में हाथ में दूध का कटोरा लिए और दूध को चाटते हुए नजर आए थे। उनके बगल में एक खतरनाक बिल्ली भी नजर आई। भूत बंगला से पहले भी प्रियदर्शन के फिल्म भूत बंगला से पहले अक्षय प्रियदर्शन के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। इस लिस्ट में भागम भाग, भूल भुलैया, दे दना दन, हेरा फेरी शामिल हैं। फिल्म भूत बंगला का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं और इसका निर्माण शोभा कपूर, एकता कपूर और अक्षय कुमार का प्रोडक्शन हाउस केप ऑफ गुड फिल्म्स के अंतर्गत किया जा रहा है। फिल्म की कहानी आकाश ए कोशिक ने लिखी है। फिल्म के डायलॉग रोहन शंकर ने लिखे हैं।

## सोनू सूद ने 'हिटमैन' को बताया 'दिल्ली वालों' का गाना

फिल्म इंडस्ट्री के वर्सेटाइल अभिनेता सोनू सूद अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'फतेह' के प्रमोशन में जुटे हैं। वह यो यो हनी सिंह के साथ दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने बताया कि फिल्म का गाना 'हिटमैन' दिल्ली वालों के लिए एक तोहफा है और यह गाना दिल्ली वालों के लिए ही है। फिल्म के प्रमोशन के लिए दिल्ली पहुंचे अभिनेता ने कहा, दो पंजाबी लड़के, एक शानदार गाना और एक ऐसा शहर जो पार्टी करना जानता है। इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। 'हिटमैन' को दिल्ली लाना इसे घर लाने जैसा लगा। इस शहर का एनर्जी और म्यूजिक के प्रति प्यार बेजोड़ है। सोनू सूद ने कहा, हनी और मैं दिल्ली वालों को एक ऐसा गाना देना चाहते थे जिसे वे अपना सकें। दिल्ली वालों को हमारे साथ डांस करते, खुश होते और जश्न मनाते देखना शानदार रहा। यह तो बस शुरुआत है, पार्टी और भी बड़ी होने वाली है। पीवीआर प्लाजा, कनॉट प्लेस में आयोजित एक ग्रैंड इवेंट में सोनू सूद और हनी सिंह की जोड़ी ने अपने खास अंदाज और पंजाबी पावर के साथ गाने पर परफॉर्म किया और दिल्ली के रंग में रंगे नजर आए।

हनी सिंह ने कहा, मैं हिटमैन को पसंद करने और इसे हिट सॉन्ग बनाने के लिए अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं। सोनू सर और दिल्ली के लोगों के साथ इस पर थिरकना 2024 का जश्न मनाने का सबसे सही तरीका है। हमने दिल्ली में अद्भुत समय बिताया और इस दौरान यहां पर हमने जो एनर्जी महसूस की वह अविश्वसनीय थी। यह गाना उन सभी के लिए है जो डांस फ्लोर पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं। नए साल के लिए आपको गाना मिल चुका है।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267